सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

वैभव सूर्यवंशी को एशिया कप के लिए भारतीय टीम में शामिल करें, पूर्व चयनकर्ता ने किया समर्थन -पेज: 7

रजनीकांत से लेकर श्रुति हासन तक, साउथ के इन कलाकारों ने बॉलीवुड में जमाई धाक -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 130 | मंगलवार 19 अगस्त 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

मुंबई में भारी बारिश के कारण जलभराव, आईएमडी ने गुजरात, गोवा, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक के लिए जारी किया रेड अलर्ट

महाराष्ट्र (एजेंसी): राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पुराने रेलवे ब्रिज पर 204.80 मीटर जलस्तर के साथ यमुना नदी सोमवार को लगातार दूसरे दिन भी चेतावनी के निशान से ऊपर बहती रही। दिल्ली के लिए चेतावनी स्तर 204.50 मीटर है, जबकि खतरे का स्तर 205.33 मीटर है और 206 मीटर पर लोगों को हटाने की प्रक्रिया शुरू की जाती है। दिल्ली में पुराने रेलवे ब्रिज पर सोमवार सुबह सात बजे यमुना नदी का जलस्तर 204.80 मीटर के स्तर तक पहुंच गया। वहीं मुंबई में भी बारिश के कारण सब अस्त व्यस्त हो रखा है गुजरात के भी कई हिस्सों में बाढ़ की आशंका।

यमुना नदी सोमवार को लगातार दूसरे दिन भी चेतावनी के निशान से ऊपर बहती रही। दिल्ली में पुराने रेलवे ब्रिज पर सोमवार सुबह सात बजे यमुना नदी का जलस्तर 204.80 मीटर के स्तर तक पहुंच गया।

कानपुर में बाढ़ की स्थिति

उत्तर प्रदेश के कानपुर में भारी बारिश के बाद गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से नदी के आसपास बसे गांवों में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है।

बारिश में फंसी स्कूल बस

सोमवार को भारी बारिश के कारण शहर के सभी स्कूल आधे दिन की कक्षाओं के बाद बंद कर दिए गए। माटुंगा पुलिस स्टेशन के पास सड़क पर भारी जलभराव में एक डॉन बॉस्को स्कूल बस फंस गई। छह बच्चों, दो महिला कर्मचारियों और ड्राइवर को ले जा रही बस लगभग एक घंटे तक फंसी रही। सतर्क नागरिकों ने जोन 4 की पुलिस उपायुक्त रागसुधा आर को स्थिति की जानकारी दी। तुरंत कार्रवाई करते हुए, माटुंगा के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक रवींद्र पवार और उनकी टीम मौके पर पहुँची और सभी को सुरक्षित पुलिस स्टेशन पहुँचाया।इसके बाद पुलिस ने बच्चों को बिस्कुट दिए।

नांदेड़ से पांच लोग लापता

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने पुष्टि की कि नांदेड़ से पांच लोग लापता और उनकी तलाश जारी है। फडणवीस ने कहा कि मैं खुद नांदेड़ के जिला कलेक्टर के लगातार संपर्क में हूँ, और नांदेड़, लातूर और बीदर के तीनों जिला कलेक्टर एक-दूसरे के संपर्क में हैं और बचाव अभियान चला रहे हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), भारतीय सेना और मुंबई पुलिस की एक-एक टीम बचाव कार्यों का समन्वय कर रही है। छत्रपति संभाजीनगर से भारतीय सेना की एक टुकड़ी भी रवाना हो गई है। स्थानीय प्रशासन को प्रभावित इलाकों में लगातार रहने और समन्वय करने के लिए कहा गया है।'

राज्य मंत्री ने भारी बारिश की स्थिति की समीक्षा की

मुंबई में भारी बारिश के मद्देनजर, राज्य मंत्री आशीष शेलार ने कहा, 'मैंने सभी अतिरिक्त आयुक्तों और आपदा प्रबंधन प्रमुख से पूरी जानकारी ली है। हमने पूरी घटना की समीक्षा के बाद मेरे ध्यान में आए मुद्दों की भी जानकारी दी है। मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुसार, और मुंबई में आयुक्त के साथ चर्चा के बाद, सभी अधिकारियों को स्कूल गए सभी बच्चों की सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित करने के लिए सूचित कर दिया गया है। दोपहर के सत्र के लिए छुट्टी घोषित कर दी गई है, स्कूल और कॉलेज, जहाँ भी जलभराव है, वहाँ पंप चालू कर दिए गए हैं, और पानी कम करने और काम फिर से शुरू करने की व्यवस्था की जा रही है।' उन्होंने आगे कहा कि अधिकारी जलभराव को प्रबंधित करने और शहर में दैनिक जीवन में न्यूनतम व्यवधान सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं।

मुंबई में भारी बारिश से उड़ानें बाधित

मुंबई में सोमवार को भारी बारिश के कारण हवाई और सड़क यातायात बाधित हुआ, जिसके कारण नौ उड़ानों को लैंडिंग रोकनी पड़ी और उन्हें 'गो-अराउंड' करना पड़ा, जबकि खराब दृश्यता और खराब मौसम के कारण एक उड़ान का मार्ग परिवर्तित करना पड़ा।

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ लाया जा सकता है महाभियोग प्रस्ताव, 'वोट चोरी' पर हंगामे के बीच बड़ा दांव चलेगा विपक्ष!

नई दिल्ली। बिहार चुनाव के मद्देनजर विपक्षी दलों ने रुख और 'वोट चोरी' के आरोपों पर चुनाव आयोग के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। बीते दिन चुनाव आयोग ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को 7 दिन के भीतर हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया था। वहीं, अब विपक्ष नया दांव चलते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रहा है। कांग्रेस पार्टी के राज्यसभा सांसद नासीर हुसैन ने भी इसपर चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि पार्टी सभी लोकतांत्रिक तरीकों का इस्तेमाल करने को तैयार है। अगर जरूरत पड़ी तो महाभियोग प्रस्ताव भी लाया जाएगा। समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए हुसैन ने कहा- सीईसी ने दिया है 7 दिन का समय दरअसल बीते दिन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने विपक्ष के 'वोट चोरी' समेत सभी आरोपों को झूठा करार दिया था। उनका कहना था कि अगर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पास इन आरोपों से जुड़े सबूत हैं, तो सभी सबूतों के साथ 7 दिन के भीतर चुनाव आयोग में हलफनामा दाखिल करें या फिर लोगों को गुमराह करने के लिए माफी मांगे। सीईसी के आदेश पर प्रतिक्रिया देते हुए राहुल गांधी ने कहा, "चुनाव आयोग मुझसे हलफनामा मांग रहा है

मिलने वाले थे ट्रंप-जेलेंस्की, इधर रूस ने दनादन मिसाइल दाग मोदी को मिला दिया फोन

नई दिल्ली (एजेंसी): रूस ने एक बार फिर से यूक्रेन पर बड़ा हमला कर दिया है। इस हमले में कई लोगों की जान गई है। जेलेंस्की और ट्रंप की मुलाकात से पहले ये हमला हुआ है। 15 अगस्त को ट्रंप और पुतिन की मुलाकात हुई थी। लेकिन सीजफायर पर बात नहीं बन पाई थी और अब यूक्रेन पर रूस की तरफ से बड़ा हमला कर दिया गया है। रूस लगातार यूक्रेन पर बड़े हमले कर रहा है। जब ट्रंप और जेलेंस्की की मुलाकात होनी है और उससे पहले रूस ने खारकीव पर हमला किया है। बता दें कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने आज भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बात भी की है। अमेरिका की तरफ से रूस से तेल खरीद की वजह से भारत को निशाना बनाया गया है। अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत का टैरिफ लगाया हुआ है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार यूक्रेन के प्रमुख शहरों पर रूसी हमलों में कम से कम 10 लोग मारे गए। यह घटना राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की द्वारा वाशिंगटन में मास्को के साथ युद्ध समाप्त करने के लिए किसी त्वरित समझौते के खिलाफ अपना पक्ष रखने से कुछ घंटे पहले हुई थी। अधिकारियों ने बताया कि उत्तर-पूर्वी खार्किव के एक रिहायशी इलाके में रात भर हुए ड्रोन हमले में मारे गए सात लोगों में एक बच्ची और उसका 16 वर्षीय भाई भी शामिल था। उन्होंने बताया कि हमले में 23 लोग घायल भी हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात की है, जिन्होंने उन्हें अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ अपनी हालिया बैठक के बारे में जानकारी दी। एक्स पर पोस्ट में पीएम मोदी ने कहा कि मेरे मित्र, राष्ट्रपति पुतिन को उनके फोन कॉल और अलास्का में राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ उनकी हालिया बैठक के बारे में जानकारी साझा करने के लिए धन्यवाद। भारत ने यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान का लगातार आह्वान किया है और इस संबंध में सभी प्रयासों का समर्थन करता है। मैं आने वाले दिनों में हमारे निरंतर आदान-प्रदान की आशा करता हूँ। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की महत्वपूर्ण मुलाकात करेंगे।

सरकारी संपत्ति तोड़ने का अधिकार नहीं, निर्णायक कार्रवाई करनी पड़ेगी, विपक्ष को ओम बिरला की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी): लोकसभा में नारेबाजी कर रहे विपक्षी सांसदों को चेतावनी देते हुए अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को उनसे कहा कि वे जिस तीव्रता से नारे लगाते हैं, उसी तीव्रता से सवाल भी उठाएं। उन्होंने कहा कि इससे देश के लोगों को कुछ लाभ होगा। समाचार एजेंसी एएनआई द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सांसदों से कहते सुने जा सकते हैं कि जिस जोर से आप नारे लगा रहे हैं, उसी जोर से सवाल भी पूछेंगे तो देश की जनता का भला होगा। जनता ने आपको सरकारी संपत्ति नष्ट करने के लिए नहीं भेजा है और मैं आपसे अनुरोध करता हूँ और आपको चेतावनी देता हूँ कि किसी भी सदस्य को सरकारी संपत्ति नष्ट करने का विशेषाधिकार नहीं है। ओम बिरला ने सांसदों को चेतावनी दी कि अगर उन्होंने सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुँचाया तो उनके खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की जाएगी। ओम बिरला ने कहा, "अगर आप सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुँचाने की कोशिश करेंगे, तो मुझे कुछ निर्णायक कदम उठाने होंगे और देश की जनता आपको देखेगी। कई विधानसभाओं में ऐसी घटनाओं के लिए सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। मैं आपको फिर से चेतावनी देता हूँ। सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुँचाने की कोशिश न करें। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) समेत कुछ मुद्दों पर लोकसभा में सोमवार को विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दी गई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने नारेबाजी कर रहे विपक्षी सदस्यों को सरकारी संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचाने की चेतावनी दी। एक बार के स्थगन के बाद सदन की बैठक दोपहर 12 बजे शुरू हुई तो पीठासीन सभापति संध्या राय ने आवश्यक कागजात प्रस्तुत कराए। इस बीच ही विपक्षी सांसद एसआईआर के मुद्दे पर शोर-शराबा करने लगे। हंगामे के बीच ही वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने जन विश्वास (उपबंधों का संशोधन) विधेयक, 2025 पेश किया। बाद में सदन ने इस विधेयक को प्रवर समिति को भेजने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। शोर-शराबे के बीच ही शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भारतीय प्रबंध संस्थान (संशोधन) विधेयक, 2025 पेश किया। पीठासीन सभापति संध्या राय ने हंगामा कर रहे सदस्यों से शून्यकाल चलने देने की अपील की।

उत्तराखंड सरकार हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज बनाने का प्रयास कर रही है: मुख्यमंत्री धामी

उत्तराखंड (एजेंसी): उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को कहा कि जनता को स्थानीय स्तर पर ही गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने का प्रयास कर रही है। यहां आयोजित उत्तराखंड चिकित्सा स्वास्थ्य सशक्तीकरण अभियान में 220 चिकित्सा अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा, हम प्रत्येक जिले में एक-एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं, ताकि लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में 11 लाख से अधिक मरीजों को अब तक 21 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की ह्यकैशलेसह्ल इलाज की सुविधा प्रदान की जा चुकी है, जबकि श्रीनगर में कार्डियो और न्यूरोलॉजी तथा हल्द्वानी में कैंसर से संबंधित विशेष चिकित्सा सुविधा प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि आपात स्थिति में सुदूरवर्ती क्षेत्रों से हेलीकॉप्टर के माध्यम से भी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करायी जा रही हैं। उन्होंने इस संबंध में कहा कि हाल में धराली आपदा के दौरान यह देखने को भी मिला। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य केंद्रों के आधुनिकीकरण, पैरामेडिकल स्टाफ की नियुक्ति और टेलीमेडिसिन सेवा के विस्तार से राज्य में चिकित्सा सेवाओं को नया आयाम मिला है। उन्होंने नियुक्ति पत्र पाने वाले चिकित्सकों से बेहतर इलाज के साथ ही मरीजों से मधुर व्यवहार करने, सेवा भाव और समर्पण से काम करने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा, आप मात्र चिकित्सक नहीं बल्कि देवभूमि के आरोग्य प्रहरी भी हैं। आप सभी को प्रदेश की चिकित्सा को जनसुलभ और नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूर्ण समर्पण और सेवाभाव से कार्य करना होगा।

भारत में सॉवरेन वेल्थ फंड्स ने वित्त वर्ष 25 में निवेश किए 8,426 करोड़ रुपए

नई दिल्ली (एजेंसी): भारत में लंबी अवधि के नजरिए से विदेशी निवेशक लगातार निवेश कर रहे हैं और वित्त वर्ष 2025 में भी यही क्रम जारी रहा है। सरकार ने सोमवार को संसद में बताया कि देश में सॉवरेन वेल्थ फंड्स (एसडब्ल्यूएफ) ने पिछले वित्त वर्ष में 8,426 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया है। सॉवरेन वेल्थ फंड्स का निवेश बढ़ाना, देश की अर्थव्यवस्था में निवेशकों के बढ़ते भरोसे को दिखाता है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में एक लिखित जवाब में बताया कि वित्त वर्ष 24 में इन फंड्स ने 47,604 करोड़ रुपए का निवेश किया था, जबकि वित्त वर्ष 23 में यह आंकड़ा 15,446 करोड़ रुपए का रहा था। वहीं, वित्त वर्ष 22 में इन फंड्स ने शुद्ध रूप से 3,825 करोड़ रुपए की निकासी की थी। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में ग्लोबल सॉवरेन और पेंशन फंडों ने भारतीय बाजार में निरंतर रुचि दिखाई है, जो इसे सबसे आशाजनक उभरते बाजारों में से एक के रूप में रेखांकित करता है। सेक्टरोल आधार पर वित्तीय सेवाओं ने वित्त वर्ष 22 और वित्त वर्ष 25 के बीच सबसे अधिक 28,562 करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित किया, इसके बाद आईटी ने 19,135 करोड़ रुपए, हेल्थकेयर ने 7,830 करोड़ रुपए और दूरसंचार ने 7,053 करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित किया है। यह सेक्टर टेक्नोलॉजी, डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर और हेल्थकेयर इनोवेशन में भारत की मजबूती को दर्शाते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह का स्थिर निवेश महत्वपूर्ण है क्योंकि यह लंबे समय तक रुकने वाला निवेश होता है जो भारत की ग्रोथ स्टोरी को सपोर्ट करता है। सरकार द्वारा सुधारों, इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास और डिजिटल विस्तार पर जोर दिए जाने के कारण आने वाले वर्षों में भारत ग्लोबल फंड्स के लिए एक आकर्षक गंतव्य बना रहने की उम्मीद है। वित्त मंत्री ने आगे बताया कि एसडब्ल्यूएफ और पेंशन फंडों से एफडीआई प्रवाह पर अलग से नजर नहीं रखी जाती है, लेकिन उनके पोर्टफोलियो निवेश की क्षेत्रवार निगरानी की जाती है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार ने दीर्घकालिक विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने के लिए कर छूट, नियामकीय रियायतें और एफडीआई नियमों को आसान बनाया है। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा, वर्तमान में देश में 95 प्रतिशत से अधिक एफडीआई ऑटोमेटिक रूट से आती है, साथ ही केंद्रीय बजट 2025 में बीमा में एफडीआई सीमा को 74 प्रतिशत से बढ़ाकर 100 प्रतिशत कर दिया गया है।

जीएसटी में कटौती से क्या-क्या सस्ता होगा? देखिए पूरी लिस्ट, अंतिम गजब है मोदी का दिवाली गिफ्ट

नई दिल्ली (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने पिछले आठ वर्षों में अब तक की सबसे बड़ी कर कटौती की दिशा में कदम उठाने का ऐलान किया है। इस कदम से सरकार की आमदनी पर दबाव तो बढ़ेगा, लेकिन उद्योग जगत और राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यह मोदी की छवि को मजबूत करने वाला फैसला साबित होगा, खासकर उस समय जब भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक तनातनी जारी है। इसके अलावा, इस फैसले का बिहार विधानसभा चुनावों पर भी काफी असर पड़ सकता है। हम आपको बता दें कि सरकार ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में व्यापक बदलाव करते हुए कई रोजमर्रा की चीजों और इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों को सस्ता करने की दिशा में कदम बढ़ाये हैं। नया कर ढांचा अक्टूबर से लागू होगा। टूथपेस्ट, साबुन, हेयर ऑयल, मोबाइल फोन, कंप्यूटर, सिलाई मशीन, साइकिल, एल्यूमीनियम और स्टील के बर्तन, ब्रांडेड परिधान और कई प्रकार की दवाइयाँ अब कम दाम पर उपलब्ध होंगी। इससे उपभोक्ताओं के साथ-साथ उद्योग घरानों को भी लाभ मिलेगा। हालाँकि, इस राहत की एक बड़ी कीमत भी है। चूँकि जीएसटी सरकार के राजस्व का प्रमुख स्रोत है, ऐसे में कर कटौती से केंद्र और राज्यों को हर साल लगभग 20 अरब डॉलर का नुकसान होगा। वहीं, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक का अनुमान है कि इन कटौतियों से अगले 12 महीनों में भारत की जीडीपी में 0.6% की वृद्धि हो सकती है। इसके साथ ही विशेषज्ञों का मानना है कि जीएसटी सुधार का यह समयबद्ध निर्णय आर्थिक से ज्यादा राजनीतिक रणनीति है। दरअसल बिहार विधानसभा चुनाव नजदीक हैं और बेरोजगारी विपक्ष के लिए बड़ा मुद्दा बना हुआ है। ऐसे में कर कटौती जनता को प्रत्यक्ष लाभ पहुँचाकर भाजपा के पक्ष में माहौल बना सकती है। हम आपको याद दिला दें कि इस बार के आम बजट में 12 लाख रुपए तक की आय को कर मुक्त कर दिया गया था जिससे भाजपा को दिल्ली विधानसभा चुनावों में 1993 के बाद पहली बार जीत मिली थी। इसके अलावा, हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से आने वाले उत्पादों पर 50% तक टैरिफ बढ़ा दिए हैं। इसके जवाब में प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के भाषण में देशवासियों से ह्यमेक इन इंडिया उत्पादों का उपयोग करने की अपील की। यह घरेलू निर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने और अमेरिकी दबाव का जवाब देने की कोशिश मानी जा रही है। दूसरी ओर, भारत में 2017 में लागू हुए जीएसटी को आजादी के बाद सबसे बड़ा कर सुधार माना गया, जिसने पूरे देश को एक साझा आर्थिक ढाँचे में बाँध दिया। लेकिन इसकी जटिलता पर लगातार सवाल उठते रहे। जैसे कैरामेल पॉपकॉर्न पर 18% और नमकीन पॉपकॉर्न पर 5% टैक्स लगाना। अब सरकार ने 28% वाले टैक्स स्लैब को लगभग समाप्त करने का फैसला किया है और 12% श्रेणी के ज्यादातर सामानों को 5% पर लाया जायेगा। इससे उपभोक्ता वस्तुएँ और पैकेज्ड फूड काफी सस्ते होंगे। जीएसटी सुधारों पर आई ताजा खबरें संकेत देती हैं कि केंद्र सरकार अब इसे "अगली पीढ़ी का जीएसटी" कहकर एक व्यापक और सरल संरचना बनाने की ओर बढ़ रही है। मौजूदा चार स्लैब (5%, 12%, 18%, 28%) को घटाकर केवल दो मुख्य दरों (5% और 18%) तक सीमित करने तथा विलासिता और अहितकर वस्तुओं पर 40% विशेष कर लगाने का प्रस्ताव निश्चित ही एक बड़े बदलाव की ओर इशारा करता है।

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कथित "वोट चोरी" के मुद्दे को लेकर भारतीय जनता पार्टी एवं चुनाव आयोग पर निशाना साधा और कहा कि लोकतंत्र की जननी

संपादकीय

दांव पर दांव

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर अपने संबोधन में देश की जनसांख्यिकी संरचना बदलने की साजिश के प्रति चेतावनी दी और कहा कि आत्मनिर्भरता, आयात-निर्यात, रुपये-पाउंड़ या ड़ॉलर तक सीमित नहीं, बल्कि हमारी अपनी क्षमताओं से जुड़ी है। अपने 103 मिनट लंबे भाषण में मोदी ने भारत की पहली सेमी कंड़क्टर चिप बनाने से लेकर जेट इंजन बनाने और परमाणु ऊर्जा के दस गुना विस्तार की बात की। जीएसटी यानी वस्तु एवं सेवा कर सुधार पर गठित टास्क फोर्स के परिणामस्वरूप आवश्यक वस्तुओं की कीमत में राहत की भी घोषणा की। साथ ही, एक लाख करोड़ रुपये का नया कोष बनाने का ऐलान किया जिसके तहत रोजगार सृजन होगा। निजी क्षेत्र में पहली मर्तबा नौकरी पाने वालों को पंद्रह हजार रुपये का अनुदान देकर इस क्षेत्र को प्रोत्साहित किया जाएगा। साइबर सुरक्षा, एआई, ड़ीप-टेक और ऑपरेटिंग सिस्टम में नवाचार पर भी जोर दिया। 2035 तक सुदर्शन चक्र कवच शस्त्र प्रणाली का निर्माण करने, सटीक जवाबी हमला करने तथा सैन्य और नागरिक क्षेत्रों की रक्षा की प्रतिबद्धता पर प्रकाश ड़ाला। अन्य देशों पर उर्वरक निर्भरता कम करने और महत्त्वपूर्ण खनिजों पर आत्मनिर्भरता की बात भी की। मोदी ने चौतरफा बातें करने के बीच भाजपा और उसकी वैचारिक मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रशंसा करते हुए उसे दुनिया का सबसे बड़ा एनजीओ बताया। राजनीतिक हलकों में इसे रणनीति का हिस्सा माना गया क्योंकि ऐसा किसी प्रधानमंत्री द्वारा पहली बार किया गया। अनुमान है कि मोदी भाजपा और संघ के बीच किसी भी तरह के मतभेद को मिटाते नजर आना चाहते हैं। ध्यातव्य है कि अपने पहले किसी स्वतंत्रता दिवस भाषण में मोदी संघ की चर्चा नहीं करते रहे हैं। इसलिए तमाम परियोजनाओं, आत्म-प्रशंसाओं और विभिन्न विषयों वाले इस लंबे भाषण की केंद्रीय विषयवस्तु संघ बन गया। निरंकुशतापूर्वक भाजपा को चलाने वाले मोदी खास तरह का संतुलन बनाने के प्रति आश्वस्त होते नजर आए। आगामी विधानसभा चुनाव, बेरोजगारी, महंगाई और सुरक्षा को लेकर उन्होंने जो निशाने लगाए वे दूरगामी प्रतीत होते हैं परंतु अन्य बातों की अनदेखी करते हुए आजादी पूर्व संघ की भूमिका को लेकर विपक्षी दलों ने उन्हें घेरना शुरू कर दिया। संघ के प्रति उनका सम्मोहन कहीं उल्टा दांव साबित न साबित हो। संभावना यह भी है कि प्रधानमंत्री ने परंपरा से इतर लाल किले से कोई अनूठा मार्ग प्रशस्त करने का प्रयास किया हो।

चिंतन-मनन

ध्वनि तंरगों से रोगें का उपचार

यह बात जान कर आप सभी को आश्चर्य होगा की ध्वनि तंरगें से भी रोगों के उपाच होते है। यह विश्व जीवों से भरा है। ध्वनि तंरगों की टकराहट से सुक्ष्म जीव मर जाते है, रात्री में सूर्य की पराबैगनी किरणां के अभाव में सूक्ष्म जीव उत्पन्न होते है जो ध्वनि तरगों की टकराहट से मर जाते है। ध्वनि तरगों से जीवों के मरने की खोज सर्वप्रथम बर्लिन विश्वविधालय में 1928 में हुई थी। शिकागों के डॉ.ब्राइन ने ध्वनि तरगों से जीवों के नष्ट होने की बात सिद्ध की है। आधुनिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध किया कि शंख और घण्टा की ध्वनि लहरों से 27 घन फुट प्रति सेकिंड वायु शक्ति वेग से 1200फुट दूरी के बैक्टीरिया नष्ट हो जाते है।

पूर्व में मंदिरों का निमार्ण गुम्वजाकार होता था दरवाजे छोटे होते थे अन्दर की ध्वनि बाहर नही निकलती थी, बाहर की ध्वनि अन्दर प्रवेश नही करती थी। मन्दिर में एक ईष्ट देव की प्रतिमा, एक दीपक, एक घण्टा, शंख होता था। यहां कोई भी रोगी श्रद्धा से जाता घण्टा या शंख ध्वनि कर दीप जलता बैठ कर श्रद्धा से प्रार्थना भक्ति करता, मौन ध्यान करता। रोंगों के ठीक होने की कामना करता वह ठीक हो जाता था। इसका बैज्ञानिक कारण घण्टा -शंख ध्वनि भक्ति प्रार्थना की ध्वनि तंरगें बाहर न जाकर गुम्वजाकार शिखर से टकराकर शरीर से टकराती जिससे शरीर के रोगाणु नष्ट हो जाते रोग ठीक हो जाते। आज भी पुराने मंदिरों में यह होता है। इसलिये सीमित मात्रा में बोलना ठीक है। ध्वनि ज्यादा मात्रा में प्रदूषण का रूप ले लेती है, जो शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से हानिकारक होती है। मौन रहने में ही सुख एवं सुख मय जीवन है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

मोदी का 'मिशन सुदर्शन चक्र' राष्ट्रीय सुरक्षा परिदृश्य को पूरी तरह बदल देगा

नीरज कुमार दुबे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बार स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से 'मिशन सुदर्शन चक्र' की घोषणा की जोकि भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा रणनीति में एक बड़ा मील का पत्थर माना जा रहा है। पाकिस्तान के साथ हालिया सीमा-पार सैन्य झड़पों के महज तीन महीने बाद आया यह ऐलान दशार्ता है कि भारत अपनी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर न केवल गंभीर है, बल्कि आने वाले दशकों के लिए दीर्घकालिक तैयारी भी कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा था कि 2035 तक देश के सभी महत्त्वपूर्ण स्थल– रणनीतिक क्षेत्र, अस्पताल, रेलवे स्टेशन और धार्मिक स्थल, इस सुरक्षा कवच के दायरे में लाए जाएँगे। यह कवच पूरी तरह स्वदेशी तकनीक पर आधारित होगा और समय के साथ इसे मजबूत, विस्तारित और आधुनिक किया जाएगा। हम आपको बता दें कि मिशन सुदर्शन चक्र को इजराइल के 'आयरन डोम' और अमेरिका के प्रस्तावित 'गोल्डन डोम' जैसी मिसाइल रक्षा प्रणाली के समकक्ष माना जा रहा है। फर्क यह है कि इजराइल एक छोटा देश है जबकि भारत को बहुत बड़े क्षेत्र को सुरक्षा कवच में लेना होगा। इसके लिए बहु-स्तरीय एयर और मिसाइल डिफेंस नेटवर्क, अर्ली वॉर्निंग और ट्रैकिंग सेंसर, भूमि और समुद्र आधारित इंटरसेप्टर मिसाइलें और अंतरिक्ष संसाधनों का प्रभावी उपयोग किया जायेगा।

हम आपको याद दिला दें कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में स्पष्ट किया था कि यह प्रणाली केवल शत्रु के हमलों को विफल नहीं करेगी बल्कि कई गुना ज्यादा ताकत से जवाबी कार्रवाई भी करेगी। इससे संकेत मिलता है कि भारत अपने पारंपरिक (गैर-परमाणु) शस्त्रागार में और विस्तार करने जा रहा है। इसके तहत 500 किमी रेंज की 'प्रलय' क्वासी-बैलिस्टिक मिसाइल, 1000 किमी रेंज की लैंड अटैक क्रूज मिसाइल और ब्रह्मोस की मारक क्षमता 450 किमी से बढ़ाकर 800 किमी करने जैसे ठोस कदम उठाये जा रहे हैं।

हम आपको याद दिला दें कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की मल्टी-लेयर्ड एयर डिफेंस प्रणाली ने तुर्की ड्रोन और चीनी मिसाइलों को विफल किया था। भारतीय वायुसेना प्रमुख एपी सिंह के अनुसार, रूसी मूल की र-400 प्रणाली ने पाकिस्तान के पाँच लड़ाकू विमान और एक विशेष मिशन विमान (300 किमी दूरी से) मार गिराया था। ये उपलब्धियाँ मिशन सुदर्शन चक्र की दिशा में आत्मविश्वास बढ़ाने वाली हैं।

बताया जा रहा है कि इस मिशन को डीआरडीओ के महत्त्वाकांक्षी प्रोजेक्ट 'कुशा' से भी जोड़ा जा रहा है। यह प्रणाली 150, 250 और 350 किमी रेंज तक दुश्मन के लक्ष्यों को भेद सकेगी। इसका पहला चरण 2028-29 तक तैयार होने की उम्मीद है। साथ ही, स्वदेशी बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस (BMD) प्रणाली भी तैनाती के लिए तैयार की जा सकती है जो 2000 किमी तक की दुश्मन मिसाइलों को धरती के अंदर (एंडो) और बाहर (एक्सो) दोनों परतों में नष्ट करने की क्षमता रखती है। हम आपको याद दिला दें कि पिछले वर्ष भारत ने 5000 किमी रेंज वाली परमाणु-सक्षम दुश्मन मिसाइल को भी इंटरसेप्ट कर सफल परीक्षण किया था।

देखा जाये तो यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर भारत की परियोजनाओं को नष्ट करने और परमाणु युद्ध की धमकी दे रहे थे। दूसरी ओर, चीन लगातार अपनी मिसाइल और ड्रोन क्षमताओं का विस्तार कर रहा है। ऐसे माहौल में मिशन सुदर्शन चक्र केवल भारत के लिए सुरक्षा कवच ही नहीं, बल्कि रणनीतिक संदेश भी है कि भारत अब अपनी सीमाओं और नागरिक ढाँचों की सुरक्षा के लिए पूर्णतः आत्मनिर्भर और आक्रामक रक्षा नीति की ओर बढ़ रहा है।

बहरहाल, ह्यमिशन सुदर्शन चक्रह्न भारत की रक्षा रणनीति में एक निर्णायक कदम है। यह न केवल जनता में सुरक्षा का भरोसा जगाता है, बल्कि दुनिया को यह संकेत भी देता है कि भारत भविष्य के युद्ध परिदृश्यों के लिए तैयार है। जिस प्रकार महाभारत में भगवान श्रीकृष्ण का सुदर्शन चक्र शत्रु के लिए अजेय था, उसी प्रकार यह मिशन आने वाले समय में भारत की सुरक्षा का अटूट प्रतीक बन सकता है।

विश्व फोटोग्राफी दिवस:186 वर्षों में कितनी बदल गई तस्वीरों की दुनिया?

योगेश कुमार गोयल

एक जमाना था, जब लोगों को फोटो खिंचवाने के लिए फोटो स्टूडियो तक जाना पड़ता था लेकिन अब छोटे से छोटे तबके के व्यक्तियों के पास भी कैमरे वाले फोन हैं, जिनसे बड़ी आसानी से कहीं भी और कभी भी तस्वीरें खींची जा सकती हैं और उन्हें सहेजकर रखा जा सकता है। फोटोग्राफी की दुनिया आज बिल्कुल बदल चुकी है। हालांकि यह अलग बात है हर जेब में मोबाइल होने और हर व्यक्ति के फोटोग्राफर बन जाने के बाद भी दुनियाभर में अच्छे फोटोग्राफर कम ही हैं। दरअसल एक अच्छा फोटो प्राप्त करने की पहली शर्त है आंखों से दिखाई देने वाले दृश्य को कैमरे की मदद से एक फ्रेम में बांधना, प्रकाश, छाया, कैमरे की स्थिति, उचित एक्सपोजर तथा उचित विषय का चुनाव करना इत्यादि। अच्छे फोटो के बारे में पेशेवर फोटोग्राफरों का कहना है कि कैमरे के फ्रेम में क्या लेना है, इससे ज्यादा किसी भी अच्छे फोटोग्राफर को इस बात का ज्ञान होना बेहद जरूरी है कि उसे फ्रेम के बाहर क्या-क्या छोड़ना है। कोई भी फोटो अच्छा क्यों होता है, इस तथ्य का सही ज्ञान ही किसी फोटोग्राफर को सामान्य से विशिष्ट बनाने के लिए पर्याप्त होता है। जब तक किसी फोटो में मानवीय संवेदनाएं नजर नहीं आएंगी, तब तक उसे बेहतर तस्वीर नहीं माना जा सकता। किसी भी फोटो में स्पष्ट दिखने वाली ऐसी ही मानवीय संवेदनाओं के कारण ही प्रायः कहा भी जाता है कि एक फोटो हजार शब्दों के बराबर होता है। इसलिए कोई भी फोटो तकनीकी रूप में कितना ही अच्छा क्यों न हो, वह तब तक सर्वमान्य नहीं हो सकता, जब तक कि वह मानवीय संवेदना को झकझोर न दे। किसी भी उत्पाद के प्रचार के लिए बनाए जाने वाले विज्ञापन को आकर्षक बनाने में भी एक अच्छे फोटोग्राफर का योगदान बहुत बड़ा होता है।

फोटोग्राफी के क्षेत्र में लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने, फोटोग्राफी को लेकर विचारों को एक-दूसरे के बीच साझा करने, फोटोग्राफी के क्षेत्र में आने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने तथा विश्वभर के फोटोग्राफरों को एकजुट करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 19 अगस्त को विश्व फोटोग्राफी दिवस मनाया जाता है, जो इस वर्ष ह्यमेरी पसंदीदा तस्वीरह्न थीम के साथ मनाया जा रहा है। दरअसल दुनियाभर में फोटोग्राफी के शौकीन ऐसे लोगों की कमी नहीं है, जिन्होंने फोटोग्राफी को ही अपना कैरियर बना लिया है। वास्तव में फोटोग्राफी दिवस उन लोगों को समर्पित है, जिन्होंने विशेष पलों को अपने कैमरे से तस्वीरों में कैद कर उन्हें सदा के लिए यादगार बना दिया। यह दिवस इस क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले ऐसे व्यक्तियों के कार्यों को स्मरण करने के अलावा भावी पीढ़ी को भी फोटोग्राफी में अपना कौशल दिखाने के लिए प्रेरित करता है। विश्व फोटोग्राफी दिवस की योजना की शुरूआत आस्ट्रेलियाई फोटोग्राफर कोर्स्के आरा द्वारा वर्ष 2009 में की गई थी और उसके बाद विश्व फोटोग्राफी दिवस पर 19 अगस्त 2010 को पहली वैश्विक ऑनलाइन फोटो गैलरी का आयोजन किया गया था। उस दिन दुनियाभर के 250 से भी ज्यादा फोटोग्राफरों ने अपनी खींची तस्वीरों के माध्यम से अपने विचारों को साझा किया था और 100 से भी ज्यादा देशों के लोगों ने उस ऑनलाइन फोटो गैलरी को देखा था। इसीलिए वह दिन फोटोग्राफी के शौकीनों और पेशेवर फोटोग्राफरों के लिए एक ऐतिहासिक दिन बन गया था।

ह्यविश्व फोटोग्राफी दिवसह्न आज से करीब 186 वर्ष पहले फोटोग्राफी को लेकर घटी एक घटना की याद में मनाया जाने लगा। दरअसल जनवरी 1839 में फ्रांस में जोसेफ नीसपोर और लुई डागुएरे ने डॉगोरोटाइप प्रक्रिया के आविष्कार की घोषणा की थी, जिसे दुनिया की पहली ह्यफोटोग्राफी प्रक्रियाह्न माना जाता है। फोटोग्राफी शब्द की उत्पत्ति ग्रीक शब्द ह्यफोटोजह्न (प्रकाश) और ह्यग्राफीनह्न (खींचने) से मिलकर हुई है। वर्ष 1839 में वैज्ञानिक सर जॉन एफ डब्ल्यू हश्रेल ने पहली बार ह्यफोटोग्राफीह्न शब्द का उपयोग किया था। फ्रांसीसी वैज्ञानिक आर्गो ने 7 जनवरी 1839 को फ्रैंच अकादमी ऑफ साइंस के लिए इस पर एक प्रोसेस रिपोर्ट तैयार की और फ्रांस सरकार ने यह रिपोर्ट खरीदकर 19 अगस्त 1839 को इस आविष्कार की घोषणा करते हुए इसका पेटेंट प्राप्त कर आम लोगों के लिए इस प्रक्रिया को मुफ्त घोषित किया था। इसीलिए ह्यविश्व फोटोग्राफी दिवसह्न मनाने के लिए 19 अगस्त का दिन ही निर्धारित किया गया। अपने आविष्कार के 186 वर्षों लंबे इस सफर में फोटोग्राफी ने अनेक आयाम देखे हैं।

सही मायनों में दुनियाभर की खूबसूरती को कैमरे में समेटकर उसे जब चाहें मन भरकर देखने का बेहतरीन जरिया है फोटोग्राफी। वास्तव में हमारे जीवन में फोटो ही ऐसी वस्तु हैं, जो पुरानी यादों को अपने भीतर समेटकर उन्हें बरसों तक जिंदा रखती हैं। मोबाइल कैमरे से ली जाने वाली सेल्फी का तो आज की युवा पीढ़ी पर जुनून सा छाया है लेकिन विश्व की पहली सेल्फी 186 वर्ष पूर्व अर्थात वर्ष 1839 में ही ली गई थी और यह सेल्फी ली थी अमेरिकन फोटोग्राफर रॉबर्ट कॉर्नेलियस ने। उन्होंने अपने कैमरे को सैट करने के बाद लेंस कैंप को हटाकर फ्रेम में चलकर फोटो ली थी, जिसे अब सेल्फी कहा जाता है। हालांकि उस समय स्वयं कॉर्नेलियस को भी नहीं पता था कि उनके द्वारा उस अंदाज में खींचा गया वह फोटा भविष्य में सेल्फी के रूप में जाना जाएगा। कॉर्नेलियस द्वारा ली गई सेल्फी वाली वह तस्वीर आज भी यूनाइटेड स्टेट लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस प्रिंट में उपलब्ध है।

तकनीकी और वैज्ञानिक सफलता के इस दौर में फोटोग्राफी के क्षेत्र में भी क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं, जिनकी बदौलत अब कैमरे का एक बटन दबाने के बाद चंद पलों या मिनटों में बेहतरीन तस्वीर हमारे हाथ में होती है लेकिन तमाम तकनीकी प्रगति के बावजूद बेहतरीन क्वालिटी के प्रिंटर होने पर भी अच्छा फोटो प्राप्त करने के लिए फोटोग्राफी की कुछ बारीकियों का ज्ञान होना भी बहुत जरूरी है। वैसे फोटोग्राफी के आविष्कार ने मानव जीवन में बहुत क्रांतिकारी भूमिका निभाई है और यह इसी से समझा जा सकता है कि दुनिया के किसी भी कोने में खींचे गए चित्रों के माध्यम से अब पलभर में ही वहां के जनजीवन तथा घटनाओं की जानकारी आसानी से प्राप्त हो जाती है। फोटोग्राफी का अनोखा आविष्कार न केवल दुनियाभर में लोगों को एक-दूसरे के बेहद करीब लेकर आया बल्कि इसी आविष्कार की ही बदौलत एक-दूसरे को जानने और उनकी संस्कृति को समझकर इतिहास को समृद्ध बनाने में भी बड़ी मदद मिली है।

गुलामी में भारत की हथकरघा उद्योग को नुकसान

भारत के गुलामी के दौरान ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत की हथकरघा संस्कृति को पूँजीपति के द्वारा कैसे नष्ट किया गया, इसके बारे में जानना आवश्यक है पुराने हस्तशिल्पों का ह्रास भारत के आर्थिक संक्रमण की सर्वाधिक नाटकीय घटना है। भारत में हस्तशिल्प उद्योग सदियों से फलता-फूलता आ रहा था। सत्रहवीं और अठारहवीं शताब्दी के आरंभ में भारत में निर्मित वस्तुएं विश्व प्रसिद्ध थीं। प्राचीनकाल से ही मिश्र वासियों, ईरानियों, चीनियों, यूनानियों, रोमनों, अरबों और यूरोपियनों ने भारत के साथ हस्तशिल्प में बने वस्तुओं के लिए व्यापारिक सम्बन्ध रखे। भारतीय हस्तशिल्प उत्पाद इन देशों में प्रशंसा और ईर्ष्या का कारण बना रहा। युगों तक इसके कारण भारत को 'शानदार भारत' कहा गया। परन्तु भारत में जैसे-जैसे अंग्रेजों की राजनीतिक सत्ता में बढ़ोत्तरी हुई और जब उन्होंने भारत के आर्थिक जीवन में हस्तक्षेप करने शुरू किए, भारत के हस्तशिल्प उद्योगों का बड़ा ही आकस्मिक एवं सर्वग्राही विध्वंस होने लगा।भारतीय हस्तशिल्प उद्योगों में ह्रास के यद्यपि अनेक कारण रहे, परन्तु इसके कई कारण कतिपय रूप से महत्वपूर्ण हैं। जैसे इंग्लैंड में औद्योगिक क्रांति के फलस्वरूप अंग्रेजों द्वारा भारत पर अपने औद्योगिक अर्थव्यवस्था को लादना, भारत में पुराने देशी दरबारों के संरक्षण का लोप, मशीन उद्योगों की शुरूआत, विदेशी शासन की भारत में स्थापना और उसका राजनीतिक दबाव, बिट्रेन की आर्थिक नीति जिसके तहत उसने भारत को मूल रूप से कृषि प्रधान बनाए रखने की कोशिश की, 1813 ई. का चार्टर एक्ट इत्यादि। अर्थशास्त्र का एक आधारभूत सिद्धांत है कि सहज श्रम से या औद्योगिक तकनीकों से वस्तुओं के उत्पादन में अपेक्षाकृत कम खर्च होता है। इस तरह मशीन उद्योगों के द्वारा कम समय में अधिक और सस्ते मालों की बिक्री प्रारंभ हुई, जिससे हस्तशिल्प से निर्मित वस्तुओं की मांग तथा बिक्री में कमी आई।मशीनीकरण से नुकसानरू हस्तशिल्प का विनाश अंग्रेजी सत्ता के राजनीतिक दबाव व विदेशी मशीन उद्योगों के सस्ते उत्पादनों के कारण हुआ। इसके परिणामस्वरूप हस्तशिल्प उद्योगों के कारीगरों की जीविका का साधन नष्ट हो गया। यद्यपि 1850 ई. के पश्चात भारत में आधुनिक उद्योगों की स्थापना भी हुई, परन्तु इतनी तेजी से नहीं कि बेरोजगारी और बबार्दी के कगार पर पहुँचे कारीगरों और दस्तकारों को पूर्ण रोजगार मिल जाए।भारतीय हस्तशिल्पी अपने द्वारा निर्मित उत्कृष्ट किस्म की वस्तुओं को विदेश भेजते थे तो वहॉ भी केवल अभिजात और कुलीन वर्ग के लोग ही साधारणतया उसे खरीद पाते थे। इस प्रकार की सीमित मंडी तब और भी सीमित हो गई जब भारतीय वस्तुओं के प्रति विदेश में अवरोधक कानून बनाए जाने लगे। इसका भारतीय दस्तकारी व हस्तशिल्प पर बुरा प्रभाव पड़ा। रोजमर्रा की आवश्यकताओं का उत्पादन भारतीय हस्तशिल्प व दस्तकारी उत्पादन के विकास के लिए आवश्यक था, लेकिन इसे प्राथमिकता नहीं मिली।ब्रिटेन तथा अन्य देशों में मशीन से निर्मित सस्ती वस्तुओं की बाढ़ भारत के ग्रामीण इलाकों में हस्तशिल्प के पतन का मूल कारण था। रेलवे तथा परिवहन के अन्य साधनों के विकास से इस बाढ़ को फैलने में मदद मिली, क्योंकि अब ग्रामीण लोगों की पहुँच भी विदेशों में उत्पादित सस्ती वस्तुओं तक होने लगी। कारखानों में विकसित उत्पादन की सस्ती और लाभकारी तकनीक का मुकाबला हस्तशिल्प व दस्तकारी न कर सकी और प्रायः नष्ट हो गई। औद्योगिक क्रांति का दौररू इंग्लैंड में औद्योगिक क्रांति के परिणामस्वरूप भारतीय हस्तशिल्प व दस्तकारी उद्योगों का जम कर विनाश हुआ। ईस्ट इंडिया कम्पनी ने इंग्लैंड के उत्पादन को भारत में खपाने का प्रयास किया। 1813 ई. के कम्पनी चार्टर एक्ट के द्वारा जब भारत में कम्पनी के व्यापारिक एकाधिकार को लगभग समाप्त कर दिया गया तो भारतीय बाजारों में सस्ते दर की अच्छे किस्म की वस्तुओं की बाढ़ आ गई।इससे भारतीय हस्तशिल्प व दस्तकारी उद्योगों द्वारा बनाई गई वस्तुओं की बिक्री में भारी कमी आई। पूँजी की कमी, तकनीकी ज्ञान के अभाव आदि के कारणों से भारत औद्योगिकीकरण का लाभ न उठा सका और आर्थिक रूप से पिछड़ गया। ग्रामीण उत्पादन प्रणाली में मशीन का प्रयोग बढ़ने से भी हस्तशिल्प उद्योगों का ह्रास हुआ, मशीनों द्वारा स्वाभाविक रूप से बढ़ती मांग को पूरा किया जाने लगा।देशी रजवाड़े हस्तशिल्प उद्योगों के संरक्षक थे। उनके संरक्षण के समाप्त होने के कारण हस्तशिल्प में उत्पादित वस्तुओं के खरीददार समाप्त हो गए, जिसका दस्तकारी व हस्तशिल्प पर काफी बुरा प्रभाव पड़ा। ईस्ट इंडिया कम्पनी यद्यपि इन उद्योगों को प्रश्रय प्रदान कर सकती थी, परन्तु उसने अपने गृह राज्य के दबाव में आ कर ऐसा काम किया जो भारतीय हस्तशिल्प उद्योग के लिए अहितकर हुए। हस्तशिल्प व दस्तकारी उद्योगों का इसलिए भी विनाश हुआ कि अंग्रेजों की सीमा शुल्क नीति और परिवहन नियमन के तरीके भारत के हित के प्रतिकूल में थे, जिससे भारतीय व्यापारियों को व्यापार करने में अनेक कठिनाईयों का सामना करना पड़ा। उदाहरण स्वरूप लार्ड लिंटन के शासनकाल में भारत में बनी कपास की वस्तुएं जो बाहर के देशों में भेजी जाती थी, उन पर अतिरिक्त शुल्क लगाया गया, जबकि भारत में इंग्लैंड से लाई कई कपास की वस्तुओं पर इस शुल्क को माफ कर दिया गया। इसके परिणामस्वरूप भारतीय वस्तुओं के मूल्य में वृद्धि हुई, जबकि इंग्लैंड में बनी वस्तुओं के मूल्य में कमी। इससे भारतीय वस्तुओं की मांग पर काफी बुरा प्रभाव पड़ा, जिससे हस्तशिल्प उद्योग भी प्रभावित हुआ। भारतीय हस्तशिल्प और दस्तकारी उद्योगों के ह्रास का एक कारण इनके मंडी या बाजार का सीमित होना भी रहा, चूँकि भारत के हस्त शिल्प उद्योग मध्ययुगीन समाज के सीमित अभिजात्य वर्ग की पहुँच तक ही सीमित थे।ब्रिटेन की आर्थिक नीति के कारण भी परम्परागत हस्तशिल्प व दस्तकारी उद्योगों का विनाश हुआ। इस नीति के तहत भारत में नये उद्योगों को विकसित होने से रोका गया। क्योंकि भारत में नये उद्योगों के विकास से ब्रिटेन में उत्पादित वस्तुओं की भारत में खपत घट जाती। इसके अलावे एक अन्य कारण से भी ब्रिटेन ने भारत को मूलतः कृषि प्रधान बनाए रखने का प्रयास किया। चूँकि इंग्लैंड को अपने उद्योगों को चलाने के लिए भारतीय कच्चे मालों के उत्पाद की जरूरत थी। इस तरह भारत एक औद्योगिक राष्ट्र का कृषि प्रधान औपनिवेशिक उपयोग बन कर रह गया।महात्मा गांधी ने कभी कहा था, ह्यह्यसिर्फ यह कहना ही काफी नहीं है कि हस्तकरघा एक ऐसा उद्योग है जिसे पुनर्जीवित किये जाने की आवश्यकता है। बल्कि सबसे बड़ी आवश्यकता इस बात पर जोर देने की है कि यह हमारा केंद्रीय उद्योग है और अगर हमें अपनी ग्रामीण संस्कृति को वापस पाते हुए दोबारा स्थापित करना चाहते है तो हमें इस ओर भी ध्यान देना होगा।' चाहे वह कलाकारी हो, बुनाई या नक्काशी हो या फिर निर्माण और बढ़ईगीरी हो, जिन लोगों ने इन्हें तैयार करने में अपना अधिकतर समय बिताया होता है वही इस काम से मिलने वाली संतुष्टि को बेहतर तरीके से जान सकते हैं।

जनसमस्याओं के समाधान में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त- डीएम, निधि गुप्ता वत्स

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- जनसमस्याओं के त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण की प्राथमिकता के साथ ब्लॉक परिसर , अमरोहा में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन जिला मजिस्ट्रेट निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता और पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद की उपस्थिति में किया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 22 जनशिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें 10 शिकायतें राजस्व विभाग, 05 विद्युत विभाग, 02 पूर्ति विभाग, 03 पुलिस विभाग, 01 शिक्षा, 01 विनियमित क्षेत्र से संबंधित थीं। इनमें से 04 मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि कुछ मामलों में पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर भेजा गया। निधि गुप्ता वत्स ने पूर्व तहसील दिवस में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण और फीडबैक की समीक्षा की और असंतोषजनक फीडबैक पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की । उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जनता दर्शन, आईजीआरएस पोर्टल, तहसील दिवस एवं अन्य दिवसों में प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के साथ त्वरित निस्तारण करें। डीएम निधि गुप्ता वत्स ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनता की समस्याओं का समाधान ही प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें कोई लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने कहा कि पुलिस अधिकारी आमजन की पुलिस संबंधी शिकायतों का उचित, गुणवत्तापूर्ण एवं शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित कराएं। उन्होंने कहा कि जो भी जमीन से संबंधित प्रकरण है वह पुलिस और राजस्व दोनों आपसी समन्वय स्थापित कर उन समस्याओं का निस्तारण करें। थाना दिवस या तहसील दिवस में आने वाली जमीन से संबंधित प्रकरणों के लिए टीम बनाकर उनके निस्तारण हेतु तुरंत मौके पर जाएं।संपूर्ण समाधान दिवस में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 सत्यपाल सिंह, जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी, उप जिलाधिकारी शशिभूषण पाठक, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ0 आभा दत्त, उप कृषि निदेशक डॉ राम प्रवेश, जिला कृषि अधिकारी मनोज कुमार, अधिशासी अभियंता निखिल कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ मोनिका, जिला समाज कल्याण अधिकारी पंखुरी जैन, दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी शिखा शर्मा सहित, पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी अलका चौधरी एवं तहसील स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

उ0प्र0 खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा निःशुल्क पॉपकार्न मेकिंग मशीन के लिये किया जायेगा लाभार्थियों का चयन

अमरोहा (सब का सपना):- जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गजेंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए कहा कि उ०प्र० खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, द्वारा जनपद अमरोहा में वित्तीय वर्ष-2025-26 में ग्रामीण क्षेत्र के पॉपकार्न बनाने वाले भुर्जी समाज के कारीगर एवं इस उद्योग में रूचि रखने वाले अन्य व्यक्तियों के लिये 10 पापकार्न मेकिंग मशीन निःशुल्क प्रदान की जानी है, जिसके सापेक्ष परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी मुरादाबाद मण्डल मुरादाबाद की अध्यक्षता में गठित चयन समिति द्वारा योजना के ऑनलाइन पोर्टल पर प्राप्त आवेदन पत्रों में से जिला ग्रामोद्योग कार्यालय अमरोहा में दिनांक 20.08.2025 को दिन में 12 बजे से लाभार्थियों का चयन किया जायेगा। अतः ऐसे आवेदकों, जिनके द्वारा विभागीय वेबसाइट www. upkvib. gov.in पर टूल किट आवंटन हेतु ऑनलाइन आवेदन किया गया है, उन्हें सूचित किया जाता है कि अपने नवीनतम फोटो, आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, शैक्षिक योग्यता, राशन कार्ड एवं बैंक पासबुक के साथ निर्धारित दिनांक व समय पर जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, मालीखेडा रोड, पुष्कर नगर अमरोहा में साक्षात्कार हेतु चयन समिति के समक्ष उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

सरकार को किया जा रहा बदनाम शिक्षा के स्तर को अधिकारी कर रहे धड़ाम

गंगेश्वरी क्षेत्र में शिक्षा व्यवस्था को चौपट करने में लगे उच्चाधिकारी

बीएलओ में प्रधानाध्यापक और शिक्षक संकुलो की भी लगा दी गई ड्यूटी

अमरोहा (सब का सपना):- प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार लगातार प्रयासरत है। सरकार की मंशा है की गवर्नमेंट स्कूलों में प्राइवेट स्कूलों से बेहतर शिक्षा छात्र-छात्राओं को मिले और वह हर क्षेत्र में कामयाब हो सके, वहीं दूसरी तरफ कुछ अधिकारी शिक्षा व्यवस्था को धड़ाम करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। लगातार शिक्षा विभाग के कुछ अधिकारी सरकार को बदनाम करने का कार्य कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के जनपद अमरोहा के विकासखंड गंगेश्वरी क्षेत्र को शिक्षा के क्षेत्र में जनपद में पिछड़ा हुआ क्षेत्र माना जाता है। हालांकि पिछले काफी दिनों से जनपद की मुखिया डीएम निधि गुप्ता वत्स शिक्षा के पिछड़ते क्षेत्र को देखते हुए अपना सख्त रुख अपनाते हुए शिक्षा को बेहतर करने के प्रयास में लगी हुई है लेकिन कुछ शिक्षा विभाग के अधिकारी या यू कहे की तहसील स्तर के अधिकारी शिक्षा व्यवस्था को धड़ाम करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। ताजा मामला बीएलओ में ड्यूटी लगाई जाने को लेकर है ज्ञात रहे की गंगेश्वरी विकासखंड क्षेत्र में बीएलओ ड्यूटी में संकुल शिक्षक के साथ-साथ प्रधानाध्यापक और एक ही विद्यालय से तीन-तीन अध्यापकों की ड्यूटी को लगाया गया है। जिससे कि एक ही विद्यालय से जब तीन-तीन शिक्षक बीएलओ ड्यूटी में जाएंगे तो छात्रों की शिक्षा पर बुरा असर पड़ेगा। वहीं दूसरी तरफ कुछ ऐसे भी शिक्षकों की ड्यूटी बीएलओ में लगाई गई है जो एकल विद्यालय हैं यानी कि एक विद्यालय में एक ही अध्यापक है। अब ऐसे में सवाल उठता है कि जहां एक विद्यालय में एक ही अध्यापक है और उसकी भी ड्यूटी बीएलओ में लगा दी जाएगी तो बच्चों को कौन पढ़ाएगा। वहीं दूसरी तरफ सवाल उठता है कि एक ही विद्यालय से जब तीन शिक्षकों की ड्यूटी बीएलओ में लगा दी जाएगी तब ऐसे विद्यालयों की छात्रों की शिक्षा पर कैसा असर पड़ेगा। हालांकि जब इस मामले को लेकर खंड शिक्षा अधिकारी गंगेश्वरी से बातचीत की गई तो उन्होंने बताया कि यह प्रकरण पूरे जनपद भर में हैं। ड्यूटी हमारे द्वारा नहीं लगाई गई है। कहां की हमसे डेटा मांगा गया था जो हमने तहसील स्तर पर दे दिया था। जिसके बाद शिक्षकों की ड्यूटी बीएलओ में तहसील स्तर से लगाई गई है। अब देखना यह होगा कि छात्रों की शिक्षा को यूं ही बर्बाद किया जाएगा या फिर कुछ सुधार होगा?

ग्राम पंचायतों की निर्वाचक नामावली के विस्तृत पुनरीक्षण का कार्य 19 अगस्त से होगा प्रारंभ

अमरोहा (सब का सपना):- जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने अवगत कराया कि ग्राम पंचायतों की निर्वाचक नामावली के विस्तृत पुनरीक्षण का कार्य दिनाँक 19 अगस्त, 2025 से प्रारम्भ हो रहा है जिसके अन्तर्गत घर-घर जाकर वर्तमान निर्वाचक नामावली में परिवर्तित, संशोधित एवं विलोपित होने वाले नामों तथा नए मकानों / वर्तमान निर्वाचक नामावली में छूटे हुए मकानों के निर्वाचकों के नामों की जाँच और परिवर्धन का कार्य प्रारम्भ होगा। जनपद के सभी अर्ह भारतीय नागरिक कृपया उक्त कार्य की अवधि से ही अपना नाम निर्वाचक नामावली में सम्मिलित कराना सुनिश्चित कर लें। ऐसे भारतीय नागरिक जो किसी ग्राम पंचायत के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्र के अन्तर्गत सामान्य रुप से निवास कर रहे हैं, दिनांक 01 जनवरी, 2025 को 18 वर्ष या उससे अधिक आयु पूरी कर लिए हों, अपने निवास स्थान में सम्बन्धित ग्राम पंचायत के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावली में नाम सम्मिलित कराने के लिए अर्ह होंगे बशर्ते वह अन्यथा अनर्ह न हो। अनर्हताएं निम्नवत हैं- (क) भारत का नागरिक न हो। या (ख) विकृत चित्त हो और उसके ऐसा होने की किसी सक्षम न्यायालय की घोषणा विद्यमान हो या (ग) निर्वाचन सम्बन्धी भ्रष्ट आचरण और अन्य अपराधों से सम्बन्धित किसी विधि के उपभत्वों के अधीन मत देने के लिए तदसमय अनर्ह हो। त्रुटि रहित निर्वाचक नामावली लोकतन्त्र का आधार है और इसका सही बनना प्रत्येक नागरिक के सक्रिय सहयोग पर निर्भर है। अपना और अपने परिवार के सभी अर्ह सदस्यों के नाम निर्वाचक नामावली में पूर्ण हैं अथवा नहीं, की जाँच कर लें। यदि दर्ज नहीं है तो अवश्य दर्ज कराएं और इस हेतु घर पर पहुँचने वाले बी०एल०ओ० को वाँछित सूचना दिए बिना कदापि वापस न करें। यदि आपके अथवा आप के परिवार के किसी नाम व प्रविष्टि में कोई संशोधन होना है या किसी नाम व प्रविष्टि को विलोपित किया जाना है तो उसे घर पर पहुँचने वाले बी०एल०ओ० को अवश्य अवगत करा दें।

उ.प्र.प्रा. शिक्षक संघ के कार्यकताओं ने बीएलओ ड्यूटी को लेकर उप जिलाधिकारी को सोपा ज्ञापन

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के कार्यकताओं ने बीएलओ ड्यूटी में लगाए गए शिक्षक, शिक्षिकाओं की समस्याओं को लेकर उप जिलाधिकारी हसनपुर को ज्ञापन सोपा है। ज्ञापन के माध्यम से उप जिलाधिकारी को अवगत कराया गया है कि बीएलओ की ड्यूटी में अधिकांश महिलाओं को अत्याधिक दूरी पर नियुक्त किया गया है, विधान सभा में लगाये गये पीठासीन तथा बीएलओ को भी पंचायत बीएलओ/ पर्यवेक्षक के रूप में लगाया है। एक विद्यालय से 5 से अधिक अध्यापको को भी बीएलओ ड्यूटी में लगाया गया है जिससे बच्चो की पढाई प्रभावित होगी। अधिकांश बी एल ओ के रूप में प्रधानाध्यापक / इंचार्ज अध्यापको को भी लगाया गया है जिससे स्कूल की व्यवस्था प्रभावित होगी। आगे ज्ञापन में कहा गया है कि सभी समस्याओं का शीघ्र निस्तारण किया जाए। इस दौरान ज्ञापन सौंपने वालों में यशपाल सिंह (जिला अध्यक्ष), रामवीर सिंह ब्लॉक (अध्यक्ष गंगेश्वरी), होमपाल सिंह (ब्लॉक अध्यक्ष हसनपुर) इरशाद अली (ब्लॉक मंत्री) सहित शिक्षक मौजूद रहे।

नौगांव सादात में मनाई गई स्वतंत्रता नेताजी सुभाष चंद्र बोस की पुण्यतिथि

नौगांवा सादात/अमरोहा (सब का सपना) शौसिंह सैनी- सोमवार को नौगांवा सादात नगर पंचायत के क्षेत्र मोहल्ला गौतम नगर मे भाजपा के वरिष्ठ नेता इकराम सैफी के प्रतिष्ठान जनता प्लाइवुड पर स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस नेताजी की पुण्यतिथि पर भाजपा कार्यकताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उनको श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर भाजपा के पूर्व जिला मंत्री वीरेंद्र सिंह सैनी ने बताया कि सुभाष चंद्र बोस की पुण्यतिथि 18 अगस्त को मनाई जाती है। 18 अगस्त 1945 को उनका विमान ताइवान में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था जिसके बाद उनकी मृत्यु हो गई थी। सुभाष चंद्र बोस ने तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा उन्होंने एक प्रसिद्ध नारा दिया था। 18 अगस्त 1945 को बोस एक जापानी विमान में सवार होकर मंचूरिया जा रहे थे जब उनका विमान ताइवान के ताईपेई मैं दुर्घटनाग्रस्त हो गया दुर्घटना में सुभाष चंद्र बोस गंभीर रूप से घायल हो गए थे और कुछ घंटे के बाद अस्पताल में उनकी मृत्यु हो गई थी। इस दौरान भाजपा नेता वीरेंद्र सिंह सैनी, वरिष्ठ भाजपा नेता इकराम सैफी, इरशाद अली, मोहम्मद शादाब, शहाबुद्दीन, रमजानी, साबिर अली ,जीशान मलिक ,सलीम अहमद ,मोहम्मद शाहरुख, इरफान अली मौजूद रहे

नौगावा रोड पर नगर के प्रवेश पर बनेगा आधुनिक चौराहा

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- नगर पालिका परिषद अमरोहा द्वारा अकबरपुर पट्टी वार्ड के रजाकपुर मे मुख्य राज्य मार्ग पर सुन्दर एवं आधुनिक चौराहा बनाया जायेगा। जिसकी मंजूरी जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा दे दी गयी है। इस सम्बन्ध मे जानकारी देते हुए नगर पालिका परिषद अमरोहा के अधिशासी अधिकारी डॉ. बृजेश कुमार द्वारा बताया गया की नगर पालिका परिषद अमरोहा का सीमा विस्तार हो जाने के पश्चात पालिका मे नव सम्मिलित वार्डो / क्षेत्रों मे पालिका द्वारा निरंतर विभिन्न विकास कार्य कराये जा रहे हैं। नगर विकास मंत्री की प्रेरणा से पालिका पालिका द्वारा नगरीय सौंदर्यकरण अंतर्गत अमरोहा नौगवां रोड परहोटल रीगल 77 के निकट नगर की उक्त दिशा के मुख्य निकास / प्रवेश द्वार पर वार्ड अकबरपुर पट्टी के रजाकपुर मे मुख्य मार्ग पर सुन्दर एवं आधुनिक चौराहे का निर्माण कराया जायेगा। 15वें वित्त आयोग के धनराशि से कराये जाने वाले इस प्रस्ताव की स्वीकृति जिलाधिकारी द्वारा दे दी गयी है। कुल 34 लाख की धनराशि से बनने वाले इस चौराहे मे सुन्दर रोडसाइड दीवारे, फुलवारी, संकेतक होंगे ये चौराहा नौगवा की ओर से अमरोहा मे प्रवेश करने वाले अगतुको का स्वागत करेगा। इसका निर्माण आरम्भ कर शीघ्र ही इसे नगर वासियो को समर्पित किया जायेगा।

पशु कल्याण और ग्रामीण विकास, स्वच्छता को लेकर नई ऊंचाइयों को छू रहा है जिला अमरोहा

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- उत्तर प्रदेश का एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध जिला, हाल के दिनों में अपने विकास कार्यों और स्वच्छता पहलों के लिए चर्चा में है। इस प्रगति में जिले की मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी (सीवीओ) डॉ. आभा दत्त और जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया का योगदान उल्लेखनीय है। दोनों अधिकारियों ने अपने समर्पण और नवाचार के माध्यम से जिले में पशु कल्याण और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में नई मिसाल कायम की है। डॉ. आभा दत्त, अमरोहा जिले की मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, पशु चिकित्सा, टीकाकरण अभियान, दूरस्थ ग्रामों में पशु स्वास्थ्य शिविर, गौसेवा आदि के क्षेत्र में अपने उत्कृष्ट कार्यों के लिए जानी जाती हैं। उनकी देखरेख में जिले की गौशालाएँ बेहतर ढंग से संचालित हो रही हैं, डॉ. दत्त ने गौवंश के संरक्षण और पशुओं की स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए कई पहल की हैं। हाल ही में, उन्होंने बाढ़ प्रभावित गाँवों का दौरा कर ग्रामीणों को पशुओं में होने वाली बीमारियों और उनके बचाव के उपायों के बारे में जागरूक किया। इस दौरान उन्होंने पशुपालकों को दवाएँ और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए, जिससे पशुओं के स्वास्थ्य में सुधार हुआ। डॉ. दत्त ने पशुपालन विभाग में संसाधनों और कर्मचारियों की कमी के बावजूद अपने नेतृत्व से कई चुनौतियों का सामना किया है। उनकी मेहनत और समर्पण ने न केवल पशुपालकों का भरोसा जीता है, बल्कि जिले में पशु चिकित्सा सेवाओं को एक नया आयाम भी प्रदान किया है। जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया ने अमरोहा में ग्रामीण विकास और स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। उनके नेतृत्व में जिला पंचायत ने कई विकास परियोजनाओं को गति दी है, जिनमें ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता, सड़क निर्माण, और बुनियादी सुविधाओं का विकास शामिल है। अमरोहा जिला अपनी साफ-सफाई और विकास कार्यों के लिए एक मिसाल बन रहा है, और इसमें पारुल सिसोदिया की भूमिका अहम है। पारुल सिसोदिया ने पंचायती राज व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। ग्राम पंचायतों के माध्यम से विकास योजनाओं को लागू करने में उनकी सक्रियता ने ग्रामीणों के जीवन स्तर को बेहतर बनाया है। उनके प्रयासों से गाँवों में स्वच्छ पेयजल, बेहतर सड़कें, और सामुदायिक सुविधाएँ उपलब्ध हो रही हैं। इसके अलावा, उन्होंने सामाजिक जागरूकता अभियानों के माध्यम से ग्रामीणों को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रेरित किया है। डॉ. आभा दत्त और पारुल सिसोदिया का कार्य जिले के लिए एक प्रेरणा है। जहाँ डॉ. दत्त ने पशु कल्याण के क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता और समर्पण से बदलाव लाया है, वहीं पारुल सिसोदिया ने ग्रामीण विकास और स्वच्छता के क्षेत्र में अपनी कुशलता से जिले की तस्वीर बदली है। इन दोनों अधिकारियों के सहयोग और मेहनत से अमरोहा जिला विकास और कल्याण के पथ पर तेजी से अग्रसर है। अमरोहा जिले में डॉ. आभा दत्त और पारुल सिसोदिया के कार्यों ने न केवल स्थानीय समुदाय को लाभ पहुँचाया है, बल्कि अन्य जिलों के लिए भी एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। इनके प्रयासों से जिला न केवल पशु कल्याण और स्वास्थ्य सेवाओं में आगे बढ़ रहा है, बल्कि ग्रामीण विकास और स्वच्छता के क्षेत्र में भी नई ऊँचाइयाँ छू रहा है। इनके कार्यों की सराहना न केवल स्थानीय स्तर पर, बल्कि राज्य स्तर पर भी हो रही है, और यह अमरोहा के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है।

जिला कृषि अधिकारी ने थोक और फुटकर विक्रेताओं को नियमानुसार उर्वरक का वितरण करने के दिए निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में रविवार को कृभको फर्टिलाइजर लिमिटेड की 2680 मीट्रिक टन यूरिया की एक रैक प्राप्त हुई। जिसमें से 1340 मीट्रिक टन प्राइवेट उर्वरक विक्रेताओं को और 1340 मीट्रिक टन सहकारी समितियों को आपूर्तित कराया गया। वहीं जिला कृषि अधिकारी द्वारा बताया गया कि सोमवार को एक रैक इफको कम्पनी की गजरौला रैक प्वाइंट पर लगी है। जिससे जनपद में कुल 5280 मीट्रिक टन यूरिया उर्वरक जनपद को आपूर्तित हुआ है और जल्दी ही यारा फर्टिलाइजर लिमिटेड और ल्वफ्छ कंपनी की रैक लगने की संभावना है। जिला कृषि अधिकारी द्वारा सभी थोक और फुटकर विक्रेताओं को नियमानुसार वितरण के निर्देश दिए गए है। सघन निरीक्षण किया जा रहा है। कोई अनियमितता प्रकाश में आने पर नियमानुसार सख्त कार्यवाही की जाएगी। जनपद में उर्वरक पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। किसान भाइयों से अपील है कि संतुलित मात्रा और आवश्यकता के अनुसार ही उर्वरक का प्रयोग करें, अत्यधिक मात्रा में प्रयोग से वेजिटेटिव ग्रोथ अधिक होने के कारण पौधा कमजोर हो जाता है और कीट रोग लगने की संभावना बढ़ जाती है। उर्वरक विक्रेता भी जोत के आकार और फसल की संस्तुति के आधार पर ही उर्वरकों का विक्रय करें।

नन्हेड़ा अल्यारपुर में ग्राम प्रधान कमलेश कुमारी ने रचा विकास का नया कीर्तिमान

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- जिले के विकास खण्ड अमरोहा क्षेत्र की ग्राम पंचायत नन्हेड़ा अल्यारपुर में ग्राम प्रधान कमलेश कुमारी पति शीशराम सिंह ने अपने कार्यकाल में रिकॉर्ड तोड़ विकास कार्य करवाकर ग्रामीणों के लिए एक नई मिसाल कायम की है। उनके नेतृत्व में ग्राम पंचायत ने विकास के नए आयाम छुए हैं, जिससे न केवल गाँव की सूरत बदली है, बल्कि ग्रामीणों के जीवन स्तर में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। कमलेश कुमारी ने अपने कार्यकाल की शुरूआत से ही गाँव के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता दी। उन्होंने मनरेगा, पंचम राज्य वित्त आयोग, और 15वें वित्त आयोग के तहत प्राप्त धनराशि का उपयोग पारदर्शी और प्रभावी ढंग से किया। उनकी अगुवाई में नन्हेड़ा अल्यारपुर में सड़कों का निर्माण, स्वच्छता

अभियान, पेयजल सुविधा, और शिक्षा के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण कार्य किए गए। ग्राम पंचायत में सीसी रोड और इंटरलॉकिंग सड़कों का जाल बिछाया गया, जिससे गाँव की कनेक्टिविटी में सुधार हुआ और ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिली। इसके अलावा, गाँव में नालियों का निर्माण और उनकी नियमित सफाई सुनिश्चित की गई, जिससे जलभराव की समस्या का समाधान हुआ। स्वच्छता के प्रति कमलेश कुमारी की प्रतिबद्धता भी सराहनीय रही है। उनके प्रयासों से नन्हेड़ा अल्यारपुर को स्वच्छ भारत मिशन के तहत ओडीएफ (डस्त्रील्ल ऊीींइङ्खल्ल ऋ्रीी) प्लस मॉडल के रूप में विकसित करने की दिशा में कदम बढ़ाए गए। गाँव में कूड़ा निस्तारण के लिए ई-रिक्शा की व्यवस्था की गई, जिससे घर-घर से कूड़ा एकत्रित किया जाता है। इसके

साथ ही, गाँव में सामुदायिक शौचालयों का निर्माण और उनकी देखभाल भी उनके नेतृत्व में हुई, जिसने गाँव की स्वच्छता को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया। शिक्षा के क्षेत्र में भी कमलेश कुमारी ने उल्लेखनीय कार्य किए। गाँव के प्राथमिक विद्यालय में बुनियादी सुविधाओं जैसे बेंच-डेस्क, पंखे, और शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की गई। इसके अतिरिक्त, ग्रामीण बच्चों के लिए डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु स्मार्ट क्लास की शुरूआत की गई। इससे गाँव के बच्चों को आधुनिक शिक्षा का लाभ मिल रहा है। महिला सशक्तीकरण के लिए भी कमलेश कुमारी ने कई कदम उठाए। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गाँव की महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ा गया, जिससे वे आत्मनिर्भर बनीं। इन समूहों के माध्यम से महिलाओं को छोटे-मोटे व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रशिक्षण और ऋण की सुविधा प्रदान की गई। कमलेश कुमारी की कार्यशैली की सबसे बड़ी विशेषता उनकी पारदर्शिता और ग्रामीणों के साथ सीधा संवाद रही है। उन्होंने हर विकास कार्य में ग्रामीणों की राय को महत्व दिया और उनकी भागीदारी सुनिश्चित की। क्षेत्र पंचायत की बैठकों में उनके द्वारा प्रस्तुत विकास प्रस्तावों को सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। उनके इन प्रयासों ने नन्हेड़ा अल्यारपुर को अमरोहा जिले की अन्य ग्राम पंचायतों के लिए एक आदर्श बना दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि कमलेश कुमारी के नेतृत्व में गाँव ने वह प्रगति की है, जो पहले कभी नहीं देखी गई। उनके कार्यों ने न केवल गाँव की तस्वीर बदली, बल्कि ग्रामीणों में विकास के प्रति नया उत्साह भी जगाया है।

श्री सनातन धर्म सभा द्वारा रामलीला आयोजन को लेकर समिति का किया गया गठन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- श्री श्री रामलीला कमेटी पुराना बाजार बहजोई के द्वारा आगामी रामलीला मंचन 2025 की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। समिति ने विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए कमेटि का गठन किया है। कार्यकारी के अध्यक्ष गोविन्द इलेक्ट्रॉनिक व रामलीला महोत्सव 2025 के अध्यक्ष रूप मैं कपिल मोबाइल,संरक्षक रूप मैं कपिल गुप्ता, तीरथ वार्ष्णेय, अजय तम्बाकू, रजनीश कुमार टप्पू ,राजेश कुमार सगंम, निर्दोष कुमार (नीटू कठेरिया) हर्देश कुमार नन्दू हलवाई , विनोद कुमार नेता,सतीश कुमार कोषाध्यक्ष, कुशांक सर्राफ व सह कोषाध्यक्ष राम भगत जी, महामंत्री तनुज गुरू,वैभव शंकर,बरिष्ठ उपाध्यक्ष शिवम्‌ टंडन, आशीष बजाज, उपाध्यक्ष अमर वार्ष्णेय, अमन बजाज, चिराग सर्राफ, प्रदीप मेडिकल , मनोज वर्तन, अनुज डोरी लाल,संस्कार वार्ष्णेय, विभू बजाज, बादल वार्ष्णेय,रामबरात प्रभारी - रूपक वार्ष्णेय, देब बब्बा हिमांशु छोटू ,सचिन आयरन, प्रयाग दादा हर्ष वार्ष्णेय ,चिराग वार्ष्णेय (साड़ी) नई कार्यकारिणी का गठन किया गया।

भारत की मिट्टी भारत स्वाभिमान क्रांति रथ यात्रा का आयोजन किया जाएगा...कामेंद्र चौधरी

सम्भल(सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (बी आर एस एस) भारत राष्ट्रीय सेवक संघ द्वारा युवा ब्लॉक उपाध्यक्ष संभल सुफियान पाशा के नेतृत्व में चौधरी सराय संभल में इस्माइल खां के आह्वान पर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता हसन एवं संचालन शुभम चौधरी ने किया ! बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष संभल कामेन्द्र चौधरी ने कहा कि संगठन द्वारा अक्टूबर माह के प्रथम सप्ताह में भारत की मिट्टी भारत स्वाभिमान क्रांति रथ यात्रा का आयोजन किया जाएगा जिसका शुभारंभ दिल्ली जंतर मंतर से एवं

समापन लखनऊ में होगा। जिसको सफल बनाने के उद्देश्य से जनपद में जन जागरण अभियान के तहत बैठक का आयोजन किया जा रहा है। संगठन के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप शर्मा द्वारा एकजुट होकर कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु आह्वान किया गया ! कार्यकारिणी द्वारा संगठन विस्तार में इस्माइल खां को जिला महामंत्री संभल (अल्पसंख्यक मोर्चा) नियुक्त किया गया । मुख्य रूप से युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप शर्मा, जिला अध्यक्ष संभल कामेन्द्र चौधरी, जिला उपाध्यक्ष मिंकू चौधरी, जिला संरक्षक शिवनारायण सैनी, तहसील अध्यक्ष मेहंदी हसन, शुभम चौधरी, युवा ब्लॉक उपाध्यक्ष सुफियान पाशा, इस्माइल खां, मो. हसन, दाऊद, तहजीब आलम, अकरम, असलम, शाहिद, मुजम्मिल, मुजाहिद, मुशर्रफ, रहीस, जहांगीर, मो. हनीफ, शरीफ, सुनील कुमार, सुबहान अनीश, यामीन एवं महिला कार्यकर्ता अतलेश देवी ब्लॉक सचिव आदि उपस्थित रहे ।

सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर दिव्यांगजनों के लिए विशेष शिविर का किया गया आयोजन

बहजोई/संभल (सब का सपना):- तहसील परिसर सम्भल में सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग एवं आपूर्ति विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं डूडा विभाग तथा एलडीएम एवं एनआईसी उद्योग विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दिव्यांगजनों के लिए विशेष शिविर का आयोजन किया गया।जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया द्वारा शिविर का निरीक्षण किया जिलाधिकारी ने शिविर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। रजिस्टर चेक किये तथा दिव्यांगों से वार्ता की। जिलाधिकारी ने जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकार को निर्देशित करते हुए कहा कि दिव्यांगजनों के लिए लगने वाले शिविरों में दिव्यांगों को किन किन योजनाओं का लाभ प्राप्त हुआ है उसकी सूचना दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की रोस्टर बैठक में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी ने बताया कि तहसील परिसर सम्भल में लगाए गये विशेष शिविर में 18 दिव्यांगजन आये तथा 8 दिव्यांगों को दिव्यांग प्रमाणपत्र जारी किये गये। कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण योजना के लिए 18 लोग चिन्हित किये गये। शिविर में आये दिव्यांगों ने आवास,राशन तथा पेंशन के लिए मांग की जिसपर संबंधित अधिकारी ने बताया कि इनको चिन्हित कर नियमानुसार जांच कराके योजनाओं से संतृप्त किया जाएगा। जिलाधिकारी ने इसके उपरांत तहसील परिसर में चल रहे सौन्दर्यीकरण के कार्य के अन्तर्गत नायब तहसीलदार न्यायालय तथा अन्य कक्षों को चेक किया तथा संबंधित को तहसील सम्भल को आईएसओ सर्टिफाइड कराने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक आलोक भाटी, उप जिलाधिकारी सम्भल विकास चन्द, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी माधवी पाण्डेय, जिला पूर्ति अधिकारी शिवि गर्ग, एवं तहसीलदार सम्भल धीरेन्द्र सिंह एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

क्रीड़ा भारती के तत्वाधान में लूडो प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

पिलखुवा/हापुड़ (सब का सपना):- क्रीड़ा भारती के तत्वाधान में लूडो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें गीतिका ने बाजी मारी। रामपुरा रोड स्थित कार्यालय में आयोजित लूडो प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। जिसमे तीन राउंड प्रतियोगिता कराई गई। जिसमें निकिता को हराकर गीतिका ने श्रेष्ठ स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर अध्यक्ष राजेंद्र सिंह ने बताया कि खेलों के प्रति रुचि

जागृत करने के उद्देश्य से प्रदेश स्तर पर क्रीड़ा भारती के द्वारा क्रीड़ा ज्ञान परीक्षा होने जा रही है। जिसकी 14 सितंबर को परीक्षा कराई जाएगी इसमें भाग लेने वालों के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था की गई है। जिसकी प्रक्रिया की जानकारी उपस्थित सदस्यों को दी गई। इस मौके पर वरुण शर्मा, मनोज शर्मा ,निकिता सिंह, रितु सिंह, मयंक, जतिन ,रोहतास सिंह आदि उपस्थित रहे।

जनपद की तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का किया गया आयोजन

जनपद की तीनो तहसीलो में प्राप्त हुई 58 शिकायतें, 9 का मौके पर कराया गया निस्तारण

हापुड़ (सब का सपना):- गढ़मुक्तेश्वर तहसील में जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय के निर्देशन में सोमवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में किया गया। इस दौरान तहसील दिवस में कुल 20 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें से 3 का मौके पर अधिकारियों द्वारा निस्तारण कराया गया। उन्होंने संपूर्ण समाधान दिवस में उपस्थित जनपदीय सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि मुख्यमंत्री के निदेर्शानुसार एवं मंशानुरूप तहसील दिवस में प्राप्त शिकायत का समाधान पूर्ण गुणवत्ता से किया जाना चाहिए एवं सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र लाभार्थी को मिलना चाहिए। उप जिलाधिकारी ने तहसील दिवस में उपस्थित सभी अधिकारियों को निर्देश दिए की जो भी शिकायतें प्राप्त हो रही हैं उनका निस्तारण समय सीमा के अंदर करना सुनिश्चित करें। इस मौके पर तहसीलदार हापुड़, पुलिस क्षेत्र अधिकारी सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे। इसके साथ ही हापुड़ तहसील में उप जिला अधिकारी की अध्यक्षता में तहसील दिवस सम्पन्न हुआ जहां पर 20 शिकायतें प्राप्त हुई और मौके पर 4 का निस्तारण उप जिलाधिकारी द्वारा कराया गया। इसी क्रम में धौलाना तहसील की अध्यक्षता करते हुए अपर जिला अधिकारी ने संपूर्ण समाधान दिवस में आई शिकायतो को सुना। सम्पन्न हुए धौलाना तहसील दिवस में 18 शिकायतें प्राप्त हुई और मौके पर 2 का निस्तारण किया गया।

चेकिंग के दौरान बदमाश से पुलिस की मुठभेड़, गिरफ्तार

पिलखुवा/हापुड (सब का सपना):- थाना पिलखुवा पुलिस की चेकिंग के दौरान बदमाशों से मुठभेड़ हो गई जवाबी कार्यवाही में एक शातिर बदमाश की टांग में गोली लग गई। जिसको घायलावस्था में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बदमाश के कब्जे से एक अवैध तमंचा, जिंदा/खोखा कारतूस, नकदी व घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस क्षेत्राधिकारी ने जानकारी देते हुए

बताया कि अपराध की रोकथाम एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के अन्तर्गत थाना पिलखुवा पुलिस द्वारा चैकिंग के दौरान बदमाशों से हुई मुठभेड़ में जबावी कार्यवाही में एक शातिर बदमाश दीपक पुत्र रामबाबू निवासी मौ० जसरूपनगर दस्तोई रोड़ थाना हापुड़ नगर जनपद हापुड को घायलावस्था में संतोषगढ़ी तिराहे के पास गिरफ्तार से किया गया है। जिसके कब्जे से एक अवैध तमंचा मय जिंदा खोखा कारतूस, नकदी व घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद हुई है।

बहजोई में कृष्ण जन्मअष्टमी पर धूम धाम व हर्षोल्लास के साथ निकाली गई शोभा यात्रा

बहजोई/संभल(सब का सपना) कृष्ण जन्माष्टमी की धूम चारों ओर रही आधी रात होते ही मंदिर और घरों में घंटे की गूंज सुनाई देने लगी।घरों से लेकर मंदिर तक भगवान कृष्ण के बाल रूप का जन्म हुआ।मंदिरों में कई प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित हुए श्री कृष्ण जन्मोत्सव को लेकर सुबह से ही सभी लोग तैयारी में जुटे हुए थे कृष्ण जन्मोत्सव को लेकर नन्हे मुन्ने बच्चों में भी काफी उत्साह देखने को मिला बच्चों के परिजनों द्वारा अपने-अपने बच्चों को राधा कृष्ण की पोशाक पहनकर तैयार किया गया। भगवान कृष्ण और राधा के रूप में नन्हे मुन्ने बालक लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे थे बच्चों द्वारा भगवान श्री कृष्ण के भजन पर सुंदर नृत्य भी प्रस्तुत किया गया। दूसरी ओर कृष्ण जन्म अष्टमी पर सुबह को नारायन टोला के संतोषी माता मंदिर से पृभात फेरी द्वारा बाल गोपाल शोभा यात्रा धूम धाम व हर्षोल्लास के साथ निकाली गई। जिसमें सीक के सूप में पीतल के कनहैया को रखकर बासुदेव सिर पर उठाकर सबसे आगे चल रहे थे बंशी बाले कृष्ण की हैप्पी बर्थ डे पर भक्त कीर्तन एंब भजन पर राधा-कृष्ण कलाकार के साथ नृत्य करते हुए डी जे पर झूमते हुए आगे बढ़ रहे थे इसके बाद घोड़ा बुग्गी पर बालकृष्ण रूप में सजा बालक बैठा हुआ सबको अपनी ओर आकर्षित कर रहा था और बिकास बाष्ण्ेय छोटू शर्मा प्रसाद बॉट रहे थे जगह जगह शोभा यात्रा का पुष्प वर्षा कर लोगों ने स्वागत किया फिर रात को सभी सनातनी भाईयों ने घर पर पूजा करने के बाद कुछ खाकर बृत खोला फिर मन्दिर पर झांकी देखने के लिए गए कुछ झांकी बिशेष बनायीं गयीं जैसे चोकीपार रामलीला मंच पर भगवान जगन्नाथ डी आर. गली में महाकाल , पुराना डाकखाना रोड पर बर्फ पर शंकर मूर्ति इस दौरान ईश्वर पंजाबी भगत जी योगेन्द्र गुप्ता रूपक बाष्ण्ेय बिकास बजरंगी अमित साड़ी सोनू आदि लोग मौजूद रहे।

सपाइयों ने अखिलेश यादव पर अभद्र टिप्पणी को लेकर पुलिस अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

पत्र सौंपकर अभद्र टिप्पणी करने वाले पर कार्यवाही की उठाई मांग

बहजोई/संभल(सब का सपना):- समाजवादी पार्टी के जनपद भर के कार्यकताओं ने सपा जिलाध्यक्ष की अगुवाई में अखिलेश यादव पर अभद्र टिप्पणी को लेकर पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सोपा है। ज्ञापन के माध्यम से समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पूर्व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश एवं लोक सभा में सदन नेता समाजवादी पार्टी पर अभद्र टिप्पणी किए जाने वाले पर सपा कार्यकताओं ने कानूनी कार्यवाही की मांग की है। ज्ञापन सौंपने के दौरान में जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ,विधानसभा अध्यक्ष उमेश यादव ,सद्दाम कुरेशी जिला अध्यक्ष ,मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड, पप्पू यादव, सुनील यादव,प्रदेश उपाध्यक्ष युवाजन सभा, निसार अहमद, भावना सक्सैना, मनोज शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष इरफान, प्रधान सत्यभान सिंह यादव, गौरव यादव,होराम सिंह, महबूब मुकेश यादव ,कुबर पाल यादव, शिवम यादव, मनीष यादव, आकाश शखधार, नदीम खान, रियासत, खुशी राम यादव, अरविंद यादव, हाजी तसव्दुक, डा अरमान,वीरान यादव, विपिन यादव, शेख सददन, पप्पू यादव, मुजफ्फर प्रधान अध्यक्ष छात्र सभा, मौ मुर्शीद ,राहुल यादव आदि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में स्वास्थ्य समिति (शासी निकाय) की मासिक समीक्षा बैठक का किया गया आयोजन

बहजोई/संभल (सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत जिला स्वास्थ्य समिति (शासी निकाय) की मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम प्रबंधक संजीव राठौर द्वारा बैठक के प्रमुख बिंदुओं के विषय में अवगत कराया गया। एम ओ आई सी असमोली को निर्देशित करते हो कहा की ग्राम पंचायत में जाकर आकांक्षात्मक विकासखण्डों के बिंदुओं पर चर्चा करें। जिलाधिकारी ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में जिस अधिकारी के स्तर पर प्रगति कम है उसकी कठोर चेतावनी जारी की जाए। पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी)] को लेकर जिलाधिकारी ने जानकारी प्राप्त की एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देशित किया। सैम बच्चों की ई - कवच पर फीडिंग को लेकर जानकारी प्राप्त की तथा संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक सीएचसी पर एक वार्ड आरक्षित करते हुए पोषण पुनर्वास केंद्र को स्थापित करने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जायंट्स ग्रुप की महिला सदस्यों के साथ एएनएम तथा आशा एवं आंगनबाड़ी की बैठक को लेकर एम ओ आई सी को भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। गर्भवती महिलाओं से संबंधित जो भी बिंदु है उनका विशेष ध्यान में रखें। जिलाधिकारी ने वीएचएसएनडी सत्र पर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा वजन एवं माप मशीन लाये जाने को लेकर जानकारी प्राप्त की तथा जिला पंचायती राज अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि जिन ग्राम पंचायतों में स्टेडियोमीटर, बच्चों के वजन माप मशीन नहीं हैं वहां मशीन से संतृप्त कराना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आकांक्षात्मक ब्लॉक को प्राथमिकता पर रखने के निर्देश दिए। संस्थागत प्रसव को लेकर भी जानकारी प्राप्त की एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए जिलाधिकारी ने कहा कि होम डिलीवरी प्रत्येक दशा में बंद हो जानी चाहिए प्रसव पर विशेष ध्यान दें। जननी सुरक्षा योजना को लेकर भी चर्चा की तथा जेएसवाई के अन्तर्गत भुगतान को लेकर निर्देशित किया कि शीघ्र भुगतान कराना सुनिश्चित करें। जेएसवाई के भुगतान को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अर्बन पीएचसी पर कार्य कराए जाने हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया। आयुष एमडब्ल्यूसी नंदरौली एवं बेरनी पर मनरेगा से कार्य कराए जाने हेतु जिला पंचायती राज अधिकारी को निर्देशित किया उन्होंने कहा की कार्य यथाशीघ्र पूर्ण किया जाए। सीडीपीओ जुनावई को एनआरसी में बच्चे भर्ती न कराने पर कठोर चेतावनी जारी करने के लिए जिलाधिकारी में संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देशित किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा की समस्त स्थान पर गर्भ संस्कार केंद्र बनाए जाए। आभा आईडी को लेकर जिलाधिकारी ने कहा कि समस्त संबंधित अधिशासी अधिकारी नगर पालिका एवं नगर पंचायत के पत्र जारी किया जाए की आभा आईडी में सहयोग करें। एनक्यूएएस वाले केंद्रों पर कार्य कराए जाने हेतु जिला पंचायतीराज अधिकारी को निर्देशित किया एवं गुन्नौर में अन्य ब्लॉक से एएनएम पोस्ट किए जाने हेतु मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने टीकाकरण के विषय में जानकारी प्राप्त कि एवं संबंधित को निर्देशित किया। एनीमिया की जांच को लेकर जिलाधिकारी ने कहा कि विकासखंड गुन्नौर में एक अभियान चला कर जांच का शुभारंभ किया जाए। स्वास्थ्य विभाग के द्वारा टीवी रोगियों को 35 किट वितरण की गई। इसके उपरांत भारतीय चरित्र निर्माण संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष रामकृष्ण गोस्वामी द्वारा भगवतगीता के श्लोकों एवं सूत्रों पर चर्चा की आत्मा एवं परमात्मा के विषय में जानकारी दी गयी। उन्होंने कहा कि सभी लोग निष्ठा के साथ कार्य कर अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ तरुण पाठक, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ पंकज विश्नोई, समस्त एमओ आईसी, डीपीओ आईसी डीएस महेश कुमार जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा, जिला पंचायत राज अधिकारी उपेंद्र कुमार पांडेय एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

बृजभूषण सिंह ने फिर साधा बाबा रामदेव पर निशाना, कहा - पतंजलि के नाम पर सिर्फ

दिल्ली : भाजपा नेता और पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह एक बार फिर अपने तीखे बयान को लेकर चर्चा में आ गए। दरअसल, एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने योगगुरु बाबा रामदेव पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि "ऋषि पतंजलि के नाम पर सिर्फ धंधा कर रहे हैं"। पतंजलि के नाम पर केवल व्यापार कर रहे हैं- बृजभूषण शरण सिंह बता दें कि बलरामपुर के महारानी लाल कुंवरि महाविद्यालय में भारत रत्न और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में बृजभूषण सिंह ने योग गुरु पर निशाना साधते हुए कहा कि जिसके नाम पर धन कमा रहे हैं रामदेव, उस महर्षि पतंजलि का इतिहास इसी क्षेत्र से जुड़ा है। बृजभूषण सिंह की टिप्पणी पर सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा, लेकिन इस बयान ने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी है। कई यूजर्स इस बयान का समर्थन कर रहे हैं तो कई इसकी आलोचना कर रहे हैं। अटल बिहारी वाजपेयी को बताया 'महामानव' पूर्व प्रधानमंत्री को याद करते हुए बृजभूषण शरण सिंह ने कहा, "अटल जी कोई साधारण नेता नहीं बल्कि एक महामानव थे। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी कभी सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। विपक्ष भी उनका उतना ही सम्मान करता था, जितना कि सत्ता पक्ष।"

आज से शुरू होगी राहुल की मतदाता अधिकार यात्रा, 16 दिन में 1300 किलोमीटर की दूरी करेंगे तय

दिल्ली : लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी "वोट चोरी" के खिलाफ रविवार से यहां "वोटर अधिकार यात्रा" शुरू करेंगे, जिसमें बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और 'इंडिया' गठबंधन के कई अन्य नेता शामिल होंगे। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष की इस यात्रा में बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसएआईआर) के मुद्दे को भी उठाया जाएगा। राहुल गांधी ने कहा कि इस यात्रा में 16 दिन में 20 जिलों में कुल 1,300 किलोमीटर की दूरी तय की जाएगी। उन्होंने ह्यएक्स' पर पोस्ट किया, "हम वोटर अधिकार यात्रा लेकर जनता के बीच आ रहे हैं। यह सबसे बुनियादी लोकतांत्रिक अधिकार - ह्यएक व्यक्ति, एक वोट' की रक्षा की लड़ाई है। संविधान को बचाने के लिए बिहार में हमारे साथ जुड़िए।" कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि चुनाव आयोग को भाजपा के "डबल इंजन" का एक डिब्बा नहीं बनाने दिया जा सकता। खेड़ा ने मीडिया से कहा, "आजाद भारत में आजादी से सांस लेना इसलिए संभव है, क्योंकि हमारे पास वोट करने की ताकत है। राहुल गांधी जी ने संघर्ष शुरू किया है, ताकि देश में हर एक नागरिक आजादी से सांस ले सके।" उन्होंने कहा , "हमारे 'इंडिया' गठबंधन के साथियों, सामाजिक कार्यकताओं ने मिलकर अपील की, तो उच्चतम न्यायालय को भी इसमें दखल देना पड़ा। यह षड्यंत्र सिर्फ वोट छीनने का नहीं था। ये आपकी, हमारी पहचान छीनने का षड्यंत्र था।" खेड़ा ने दावा किया कि आज दलित, वंचित, पीड़ित, शोषित, अल्पसंख्यक से वोट देने का अधिकार छीना जा रहा है, कल उनकी भागीदारी छीनी जाएगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया, "चुनाव आयोग इस 'डबल इंजन' का एक डब्बा बनकर रह जाए, ये हमें स्वीकार नहीं होगा। हम इसे लेकर संघर्ष कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे।" कांग्रेस नेता ने कहा, "बिहार के लोगों से हम आग्रह करते हैं कि यह आपके अधिकार और हक की यात्रा है। आप भी इस यात्रा में शामिल हों, ताकि बिहार से लोकतंत्र को दिशा मिल सके।" उन्होंने कहा, ""वोटर अधिकार यात्रा' एक ऐतिहासिक यात्रा होगी। हम सबके अस्तित्व की लड़ाई के लिए ये यात्रा एक मील का पत्थर साबित होगी।"

50 साल बाद अब फिर विट्ठलभाई पटेल पर जारी होगा स्मारक डाक टिकट

नई दिल्ली। दिल्ली में विट्ठलभाई पटेल पर 50 साल के बाद फिर स्मारक डाक टिकट जारी होगा। इससे पहले 27 सितंबर, 1973 को उनकी जन्म शताब्दी पर एक और स्मारक डाक टिकट जारी किया गया था। अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आगामी अखिल भारतीय स्पीकर सम्मेलन में पटेल पर एक विशेष स्मारक डाक टिकट जारी करेंगे। पटेल 24 अगस्त, 1925 में केंद्रीय विधानसभा के पहले निर्वाचित भारतीय अध्यक्ष थे। केंद्रीय संचार और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि हमारे संसदीय अग्रदूतों का सम्मान केवल इतिहास को याद करने के बारे में नहीं है, बल्कि भविष्य के लिए प्रेरणा लेने के बारे में भी है। इसी भावना से, यह डाक टिकट विट्ठलभाई पटेल को शताब्दी श्रद्धांजलि के रूप में जारी किया जा रहा है।

बम की धमकी पर केजरीवाल का बीजेपी पर वार: चार इंजन वाली सरकार कानून व्यवस्था में नाकाम

दिल्ली : दिल्ली के पूर्व मुख्य मंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि उसकी चार इंजन वाली" सरकार कानून-व्यवस्था बनाए रखने में नाकाम रही है। केजरीवाल का यह बयान राष्ट्रीय राजधानी के तीन स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद आया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सोमवार को द्वारका के दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), मॉडर्न कॉन्वेंट स्कूल और श्रीराम वर्ल्ड स्कूल को धमकियां मिली हैं। केजरीवाल ने ह्यएक्स' पर पोस्ट कर कहा, ह्यह्यद्वारका के दिल्ली पब्लिक स्कूल समेत द्वारका के कई स्कूलों को आज फिर बम की धमकियां मिली हैं। दिल्ली के स्कूलों को बार-बार धमकियां मिलती हैं लेकिन आज तक न कोई पकड़ा गया है, न कोई कार्रवाई हुई है। "उन्होंने कहा, भाजपा से ना तो दिल्ली संभल रही है, ना ही दिल्ली की कानून-व्यवस्था। भाजपा की चार इंजन की सरकारें दिल्ली में पूरी तरह ह्यफेल' हो चुकी हैं।" आम आदमी पार्टी (आप) एवं दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने ह्यएक्स' पर पोस्ट कर कहा, ह्यह्यस्कूलों में धमकी मिलने का सिलसिला थम नहीं रहा है। फिर से दिल्ली के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकियां मिली हैं। दिल्ली पुलिस आखिर कर क्या रही है? बच्चे, अभिभावक खौफ में हैं लेकिन भाजपा की चार इंजन की सरकार उनको सुरक्षा देने में नाकाम है।" ह्यआप' नेता ह्यचार इंजन' शब्द का इस्तेमाल इस संदर्भ में करते हैं कि केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार, नगर निगम (एमसीडी), और उपराज्यपाल का कार्यालय, चारों पर भाजपा का नियंत्रण है।

10 सेंमी बढ़ा गंगा का जलस्तर, बिजनौर बैराज से छोड़ा गया 1.46 लाख क्यूसेक पानी

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंह:- क्षेत्र में गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है जिससे तिगरी गंगा धाम और बृजघाट गंगा में सोमवार को जलस्तर 199.60 सेंटीमीटर तक पहुंच गया। बता दें कि उत्तराखंड में पहाड़ी इलाकों में हो रही लगातार बारिश के चलते बिजनौर बैराज में भी पानी की मात्रा अधिक बढ़ जाने के कारण वहां से 146216 क्यूसेक पानी नदियों में छोड़ा गया है रविवार को पानी की मात्रा 128822 मापी गई थी। पहाड़ी क्षेत्र में हो रही लगातार बारिश का असर मैदानी इलाकों में पूरी तरह दिख रहा है जिस कारण नदी के आसपास के इलाकों में बसे गांवों की हालत काफी खराब दिख रही है। गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से तिगरी गंगा किनारे बसी झोपड़ियां तो जल मग्न हो गई है साथ ही आसपास के गांव में भी तीन से चार फीट तक पानी पहुंच चुका है जिससे ग्रामीण क्षेत्र की फसल भी बबार्दी की कगार पर है। रविवार को बिजनौर बैराज से छोड़े गए पानी ने एक बार फिर से नदियों में तेज कटान शुरू कर दिया है ,जिससे एक बार फिर तडवर्ती गांव के लोग की चिंताएं बढ़ गई हैं। बढ़ते जल स्तर को देखते हुए बाढ़ खंड विभाग की अलर्ट जारी कर दिया है विभाग के अधिकारी गांव गांव जाकर लोगों को नदी के पास न जाने की सलाह दे रहे हैं बाढ़ खंड के जे ई सुभाष कुमार ने बताया कि पहाड़ों पर बारिश जारी रहने से आने वाले समय में जलस्तर और बढ़ सकता है।

अमेरिकी टैरिफ विवाद के बीच आज पीएम मोदी करेंगे बैठक, 7 केंद्रीय मंत्री भी हो सकते हैं शामिल!

दिल्ली। अमेरिका द्वारा भारत पर बढ़ाए जा रहे टैरिफ (आयात शुल्क) के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज शाम 6:30 बजे देश आर्थिक सलाहकार परिषद की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इस बैठक में भारतीय अर्थव्यवस्था पर अमेरिकी टैरिफ के संभावित प्रभाव पर चर्चा की जाएगी। बैठक में कई मंत्री होंगे शामिल यह बैठक प्रधानमंत्री के 7,लोक कल्याण मार्ग स्थित आवास पर होगी। इसमें वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण समेत सात केंद्रीय मंत्रियों के भाग लेने की उम्मीद है। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब भारत, अमेरिका के साथ बिगड़ते व्यापारिक संबंधों के बीच चीन और रूस जैसे देशों के साथ अपने संबंधों को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। अमेरिका का भारत पर 50% टैरिफ का खतरा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से आयात होने वाली वस्तुओं पर 25% टैरिफ लगाया है। इसके साथ ही भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने के कारण अमेरिका ने 27 अगस्त से इस टैरिफ को बढ़ाकर 50% करने की योजना बनाई है। अगर ऐसा होता है तो इससे भारत के लगभग 40 अरब अमेरिकी डॉलर के निर्यात, जिसमें गहने, कपड़े और जूते शामिल हैं पर सीधा असर पड़ेगा। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर भी असर इन टैरिफ विवादों का असर भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (इळअ) पर भी पड़ा है। इस समझौते की छठे दौर की बैठक जो 25 से 29 अगस्त तक होनी थी, अमेरिकी टीम द्वारा दौरा रद्द करने के कारण स्थगित कर दी गई है। अमेरिका भारत पर कृषि और डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों को भी खोलने का दबाव बना रहा है, लेकिन भारत ने छोटे किसानों और पशुपालकों की आजीविका को खतरे का हवाला देते हुए ऐसी रियायतों से इनकार कर दिया है।

थार से बाइक सवार को कुचलने वाला गिरफ्तार, गर्लफ्रेंड के साथ पार्टी कर लौट रहा था आरोपी

दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के मोती नगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात थार से बाइक सवार को कुचलने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। घटना के बाद आरोपी पंजाब के लुधियाना भाग गया था। आरोपी का नाम अमरिंदर सिंह है। सुदर्शन पार्क का रहने वाला अमरिंदर सिंह फ्लेक्स बोर्ड प्रिंटिंग का कारोबार करता है। वहीं, शुरूआती छानबीन में पुलिस को पता चला कि आरोपी अपनी गर्लफ्रेंड के साथ कीर्ति नगर से एक पार्टी में शामिल होकर घर लौट रहा था। पुलिस का दावा है कि पूछताछ में आरोपी ने पार्टी में जाने के दौरान कार में शराब पीने की बात स्वीकार की है। पुलिस के अनुसार, घटना को अंजाम देने के बाद कार चालक मौके से भाग गया था। लापरवाही से वाहन चलाने से मौत का मामला दर्ज कर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर वरुण दलाल के नेतृत्व में पुलिस ने छानबीन शुरू की। कार नंबर के जरिए पुलिस को कार के मालिक अमरिंदर सिंह के बारे में पता चला। पुलिस ने तुरंत उसके सुदर्शन पार्क स्थित घर पर दबिश दी, लेकिन वह घर से गायब था। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए दिल्ली व एनसीआर में उसके परिचितों और ठिकानों पर दबिश दी। साथ ही तकनीकी जांच के जरिए उसपर निगरानी बढ़ाई। वहीं, शनिवार रात निगरानी के जरिए पुलिस को पता चला कि आरोपी लुधियाना से दिल्ली आ रहा है। पुलिस ने करनाल बाईपास पर घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। सूत्रों का कहना है कि पूछताछ में पुलिस को पता चला कि घटना के समय आरोपी कीर्ति नगर से एक पार्टी में शामिल होकर अपनी गर्लफ्रेंड के साथ कार से घर लौट रहा था। हादसा होने के बाद वह अपने घर चली गई, जबकि वह वहां से लुधियाना भाग गया। पुलिस की दबिश बढ़ने के बाद वह वापस आ गया। उसने बताया कि पार्टी में जाने के दौरान उसने कार में शराब पी थी। उसने बताया कि अचानक बाइक के सामने आने पर वह कार पर नियंत्रित नहीं कर पाया और हादसा हो गया। शुक्रवार देर रात को मोती नगर के पटेल रोड के पास एक थार कार ने बाइक सवार प्रेम नगर निवासी बेचूलाल को कुचल दिया। बेचूलाल की मौके पर मौत हो गई। बाइक से टकराने के बाद कार सामने खड़े एक ट्रक से टकराकर रुक गई थी। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस को क्षतिग्रस्त थार कार और बाइक मिली।

पल्लवी जोशी और विवेक अग्निहोत्री ने जताया विरोध, बंगाल में पुलिस कार्रवाई पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' रिलीज से पहले ही विवादों में है। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया,जिसे लेकर हंगामा खड़ा हो गया। पश्चिम बंगाल में फिल्म के ट्रेलर को पुलिस ने जबरन रुकवा दिया था। इसी क्रम में सोमवार को फिल्म की अभिनेत्री पल्लवी जोशी और निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री ने राजधानी में एक प्रेस कांफ्रेंस कर अपना विरोध जताया। फिल्म यूनिट से जुड़े सभी आहत इस मौके पर अभिनेत्री पल्लवी जोशी ने कहा कि बंगाल में जिस तरह से फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' की ट्रेलर लांचिंग को रोकने के लिए पुलिसिया कार्रवाई की गई, उससे फिल्म यूनिट से जुड़े सभी लोग आहत हुए हैं। कोलकाता पुलिस ने हमारी फिल्म के ट्रेलर लांच को रुकवाया। इसलिए आज मैं यहां पर हूं। फिल्म के निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री भी साथ में हैं। हम ट्रायोलॉजी बनाएंगे उन्होंने कहा कि हम जिम्मेदार निर्देश-ाक और निमार्ता हैं। 2012 में इस फिल्म के बारे में सोचना शुरू किया। सत्यजीत रे व मणिरत्नम ने सोचा कि हम अपने लोकतंत्र पर ट्रायोलॉजी बनाएंगे, तीन शेरों पर पहला सच बोलने का अधिकार है। ताशकंद फाइल्स में हमें दूसरे पीएम की मौत के रहस्य पर बनाई, दूसरी न्याय का अधिकार के शेर को लेकर कश्मीर फाइल्स बनाई। 35 साल बाद उस समय के पीड़ितों को न्याय नहीं मिला है। तीसरा शेर के रूप में जीने का अधिकार को आधार बनाकर बंगाल फाइल्स बनाई है। बंगाल हॉरर का शिकार पल्लवी जोशी ने कहा, "रिसर्च में हमने पाया है कि बंगाल उसी हॉरर का शिकार है, आजादी के साथ से है। मुर्शिदाबाद में हमने यही देखा। चौथा शेर कभी दिखता नहीं, जो भारत के लोगों का प्रतीक है। नोआखाली में जो नरसंहार हुआ था उसी विषय पर बंगाल फाइल्स का निर्माण किया गया है। नरसंहार दिवस पर ट्रेलर लांच करने के पर नगर निगम पुलिस और सरकार अपनी बेसिक ड्यूटी में विफल रही। महिलाओं को सुरक्षा नहीं दी गई। वहां से बड़ी ही मुश्किल से मैं बाहर निकल सकी। यह फिल्म पर नहीं लोगों पर हमला है। मुगल और ब्रि-टश राज की तरह आवाज को कुचलने की कोशिश की गई है। वर्तमान सरकार के कृत्यों ने साबित किया कि हम सही थे।" 17 हजार पेज का रिसर्च किया वहीं, फिल्म के निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री ने कहा कि हम एक माह तक फिल्म को लेकर अमेरिका में रहे। 20 मार्च 2020 को कश्मीर फाइल्स की शूि-टंग रुकी तो उसके बाद इस फिल्म को लेकर गहन रिसर्च किया। हमने 100 साल के लोगों को ढूंढ-ढूंढकर इंटरव्यू किया। हमारे पास 17 हजार पेज का रिसर्च है। 'बंगाल सरकार को सराहना चाहिए था' उन्होंने कहा कि बंगाल में एक के बाद एक एफआईआर फाइल करनी शुरू की। यह सब सत्तारूढ़ दल टीएमसी के नेताओं ने किया। टीएमसी के वर्कर्स सोशल मीडिया में लिख-लिख कर बोल रहे हैं। यह विभाजन के ऊपर, विश्व के लोग सराह रहे हैं। नोआखली अगर नहीं होता तो बांग्लादेश न होता। इसलिए वहां की सरकार को चाहिए था कि हम लोगों को सराहती। मैनेजर ने अचानक कार्यक्रम रोका उन्होंने आगे कहा कि सारी दुनिया जिस फिल्म को सराह रही है। उसके लिए सारी अनुमति थी। 16 अगस्त को कलकत्ता में रिलीज करना कहां का गुनाह हो गया? हम लोगों को मना कर दिया गया। उन्होंने कहा, "मैं भी हारने और डरने वालों में नहीं। हमें भी बोलने का अधिकार है। सोनार आईटीसी कोलकाता के प्रसिद्ध होटल चेन है। वहां कार्यक्रम करने की सारी अनुमति ली गई थी। सोचिए, क्या यह बिना अनुमति के संभव है? यहां की तरह वहां माहौल था। बातचीत के बाद जैसे ही ट्रेलर चलाने की बात आई तो मैनेजर आए बोला कि ट्रेलर्स लांच नहीं हो सकता है।" उन्होंने बताया कि पहले मैनेजर की मौजूदगी में ही रिहर्सल हुआ था। जब कार्यक्रम रोकने का कारण मीडिया ने भी पूछा तो वह कुछ नहीं बोले। इसके बाद बाद के नजारे के बारे में विवेक ने कहा कि पुलिस बाहर थी, लेकिन अंदर नहीं आ रही थी। जैसे ही फिल्म का ट्रेलर लांच होने लगा, बिना वर्दी में पुलिस वाले आए और राजनीतिक दबाव में कार्यक्रम रोक दिया। वहां बड़ी संख्या में टीएमसी के वर्कर जमा हो गए। अचानक ही बहुत सारे अनजाने लोग घुस आए। भारत में पहले भी कई फिल्मों पर प्रतिबंध लगा है। मगर ट्रेलर के मामले में यह पहली बार देखा है। विवेक अग्निहोत्री ने कहा कि सीधे अगर मुख्यमंत्री ही हमले पर उतर आये तो कोई क्या करे। अगर स्टे नहीं लिया होता तो आज हम लोग जेल में होते।

धान की खेती करने वाले किसानों के लिए बेहद खास है ये मशीन, जानें क्या होगा फायदा

हरियाणा : हरियाणा के उन किसानों के लिए राहत की खबर है जो धान की खेती हैं। अगर खेत में पानी भरा होगा तो किसान को धान काटने से पहले पानी निकलने का इंतजार नहीं पड़ेगा। हम इसलिए कह रहे हैं कि क्योंकि अब अन्नदाता पानी से भरे खेत में खड़ी धान की फसल की कटाई भी आसानी से कर सकेंगे और उन्हें किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। 'हेडफीड कंबाइन हार्वेस्टर' धान की फसल की जड़ से कटाई करेगा। जिससे किसानों की परेशानियां खत्म हो जाएंगी। बताया जा रहा है कि यह मशीन धान को बिल्कुल जमीन से सटा कर काटती है। जिससे खेत में धान के अवशेष नहीं बचेंगे। इसके साथ ही मशीन धान निकालते समय चावल के दाने को नहीं तोड़ेगी। किसानों की खेत में पराली जलाने की समस्या भी खत्म हो जाएगी। वहीं कंपनी मशीन की कीमत करीब 24 से 25 लाख रुपये तय करेगी। हालांकि कंपनी ने केंद्र सरकार से मशीन पर सब्सिडी के लिए आवेदन किया है। अगर केंद्र सरकार से सब्सिडी की स्वीकृति मिली तो80 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी। जिसके बाद यह मशीन किसानों को केवल 5 से 7 लाख रुपये में मिल सकती है।

महिला टीचर को इंसाफ दिलाने के लिए सड़कों पर उतरे छात्र, सड़कों पर लगाया जाम, दोषियों की गिरफ्तारी की मांग

भिवानी : भिवानी जिला के सिंघानी गांव में हुई महिला टीचर मनीषा के हत्यारोपियों को घटना के 5 दिन बीत जाने के बाद भी नहीं पकड़े जाने के विरोध में भिवानी के राजीव गांधी महिला कॉलेज के बाहर चौ. छोटूराम चौक के बाहर कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने भिवानी-हांसी मार्ग पर जाम लगा दिया तथा दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की। बड़ी संख्या में इस प्रदर्शन में पहुंचे छात्र-छात्राओं ने हाथों मे बैनर लेकर महिला अध्यापिका मनीषा के परिवार को न्याय दिलवाने की मांग की। इस मौके पर जाम लगाने पहुंचे छात्र-छात्राओं ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि बीते 11 अगस्त से अध्यापिका मनीषा गायब थी। यदि समय रहते पुलिस कार्यवाई कर लेती तो यह अनहोनि होने से टल जाती। छात्र-छात्राओं ने भिवानी-हांसी मार्ग को अवरूद्ध करते हुए कहा कि वे आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी को लेकर उपायुक्त को ज्ञापन भी सौंपेंगे। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में भारी रोष है कि निर्मम तरीके से अध्यापिका की हत्या मानवता के लिए शर्मसार है। उन्होंने कहा कि इस घटना के लिए एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी पुलिस खाली हाथ है। उन्होंने कहा कि भले पुलिस अधीक्षक का तबादला किया गया व कुछ पुलिसकर्मियों को सस्पैंड किया गया, बाजवूद इसके आरोपियों को अभी तक नहीं पकड़ा गया है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को लेकर जिला के उच्च अधिकारियों को ज्ञापन सौंपेंगे। इस रोष प्रदर्शन में भाग लेने पहुंचे छात्राओं

में भी खासा रोष देखा गया। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा प्रदेश में बेटियां सुरक्षित नहीं है। ऐसे में उन्हे सुरक्षा की गारंटी राज्य सरकार दे,ख्ताकि वे बेखौफ होकर अपनी पढ़ाई जारी रख सकें। इस बारे में पुलिस अधिकारी महेश कुमार ने बताया कि छात्र-छात्राओं ने भिवानी-हांसी मार्ग को कुछ समय के लिए अवरूद्ध किया था। मनीषा हत्याकांड को लेकर इन्होंने विरोध जताया है। इन छात्र-छात्राओं को समझाने पर जाम को खोल दिया तथा वाहनों का अवागमन सामान्य तरीके से शुरू हो गया। उन्होंने कहा कि आमजन को इस मामले में सहयोग करना चाहिए, ताकि पुलिस फोर्स जाम जैसी स्थितियों में व्यस्त ना होकर मनीषा हत्याकांड के आरोपियों को पकड़ने में अपनी ऊर्जा लगा सकें। पानीपत जिले में लघु सचिवालय के सामने फ्लाईओवर के नीचे छात्र संगठन द्वारा भिवानी की लेडी टीचर मनीषा को जस्टिस दिलाने के लिए सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया गया। इस दौरान संगठन ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि पुलिस कर्मचारियों की सस्पेंशन से काम नहीं चलेगा।

आरोपियों को गिरफ्तार कर सख्त से सख्त सजा दी जाए। प्रदर्शन करने के बाद स्टूडेंट ने मुख्यमंत्री नायब सैनी के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। स्टूडेंट ने हरियाणा सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए जमकर नारेबाजी की। उन्होंने कहा कि यदि सरकार केस को हैंडल नहीं कर पा रही है, तो केस सीबीआई को सौंप दिया जाना चाहिए। हमारी मांग है मामले में स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम को लगाया जाए, अधिकारी मौके पर जाए और मामले में संज्ञान लें।

रेवाड़ी में ड्राइवर की बेरहमी से हत्या, श्मशान घाट के रास्ते पर मिला शव

रेवाड़ी : रेवाड़ी जिले के मनेठी गांव में एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां गांव के ही 35 वर्षीय युवक नवीन का शव श्मशान घाट जाने वाले रास्ते पर पड़ा मिला। मृतक पेशे से वाहन ड्राइवर था। सुबह स्थानीय लोगों ने शव देखकर तुरंत खोल थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही डीएसपी जोगेंद्र, खोल थाना पुलिस और सीन ऑफ क्राइम टीम मौके पर पहुंची। जांच के दौरान शव के पास खून से सना एक पत्थर बरामद हुआ, वहीं मृतक के शरीर पर चोटों के स्पष्ट निशान पाए

गए। मृतक के चाचा कृष्ण कुमार ने बताया कि सुबह उन्हें मैसेज आया कि नवीन गिरे हुए हैं। मौके पर जाकर देखा तो वह खून से लथपथ पड़ा था और उसके सिर पर गहरी चोट थी। डीएसपी जोगेंद्र ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए रेवाड़ी नागरिक अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया है। सीन ऑफ क्राइम टीम ने घटनास्थल से अहम साक्ष्य जुटाए हैं और आसपास के क्षेत्र में छानबीन की जा रही है।

प्रॉपर्टी सर्टिफिकेट वितरण में की जा रही थी लापरवाही, 6 जिलों के अधिकारियों को नोटिस

चंडीगढ़ : प्रदेश में लाल डोरा और आबादी देह क्षेत्र में संपत्ति प्रमाण पत्र वितरण की धीमी गति को लेकर शहरी स्थानीय निकाय विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। विभाग ने कार्य में लापरवाही पर कड़ी

नाराजगी जताते हुए 6 जिलों के अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि प्रमाण पत्र वितरण में तेजी लाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। सबसे अहम सुझाव यह दिया गया है कि सीमाओं की सटीकता सुनिश्चित करने में दिक्कत आने पर GIS (जियोग्राफिक इन्फॉर्मेशन सिस्टम) का उपयोग किया जाए। साथ ही खसरा नंबरों का गहन सत्यापन कर विसंगतियों को तुरंत दूर करने के आदेश दिए गए हैं। जिन क्षेत्रों में कार्य की गति बेहद धीमी है, वहां विशेष शिविर (कैंप) लगाने के भी निर्देश मिले हैं। शहरी स्थानीय निकाय विभाग के आयुक्त एवं सचिव विकास गुप्ता ने हाल ही में समीक्षा बैठक की थी। इसमें पाया गया कि पंचकूला, महेंद्रगढ़, अंबाला, भिवानी, झज्जर और यमुनानगर जिलों के निकायों में कार्य की प्रगति बेहद धीमी है। इस पर नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करने और नोटिस जारी करने का निर्णय लिया गया। निदेर्शों में यह भी कहा गया है कि यदि लापरवाही लगातार बनी रही तो अधिकारियों की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट (ACR-PAR) में उनकी उपलब्धियों और कार्य निपटान की स्थिति को दर्ज किया जाएगा। सुधार न होने पर नोडल अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी।

हरियाणा के इन जिलों से बिहार तक एसी बस सेवा शुरू, प्रवासी बिहारी यात्रियों को मिलेगी राहत

हरियाणा : बिहार की नीतीश सरकार ने आगामी विधानसभा चुनावों से पहले प्रवासी बिहारवासियों के लिए एक बड़ी पहल की है। छठ, दीपावली और दुर्गा पूजा जैसे प्रमुख त्योहारों के दौरान हरियाणा से बिहार लौटने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष एसी बस सेवा शुरू की जा रही है।

सस्ती और आरामदायक यात्रा का वादा यह बस सेवा पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) मॉडल पर आधारित है, जिसमें बिहार सरकार निजी बस ऑपरेटरों को प्रति सीट 150 से 300 रुपये तक की सब्सिडी देगी। इसका उद्देश्य त्योहारों के दौरान यात्रियों को महंगे किरायों और टिकटों की कमी जैसी पुरानी समस्याओं से राहत देना है। बिहार राज्य पथ परिवहन निगम (BSTRC) और निजी ऑपरेटरों के बीच पांच साल का

करार हुआ है, जिससे इस सेवा की निरंतरता सुनिश्चित की जाएगी।

कहां-कहां से चलेगी बस सेवा?यह एसी बस सेवा हरियाणा के प्रमुख शहरों – गुरुग्राम, पंचकूला, अंबाला, चंडीगढ़ और पानीपत – से शुरू होकर बिहार के प्रमुख शहरों पटना, भागलपुर, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, गया और पूर्णिया तक जाएगी। ये सभी ऐसे इलाके हैं जहाँ प्रवासी बिहारी काम के सिलसिले में बड़ी संख्या में रहते हैं। इस दिन से बुकिंग शुरू बुकिंग शुरूः 1 सितंबर से बस संचालन अवधिः 20 सितंबर से 30 नवंबर तक यह समयावधि खास तौर पर त्योहारों को ध्यान में रखते हुए तय की गई है, जिससे अधिक से अधिक लोग इस सेवा का लाभ उठा सकें।

प्रवासी मजदूरों के लिए राहत

हरियाणा के फरीदाबाद, गुरुग्राम, हिसार और पानीपत समेत 12 जिलों में लाखों की संख्या में बिहारी प्रवासी काम करते हैं। हर साल त्योहारों के समय उन्हें महंगे टिकट, बसों में भीड़ और असुविधा का सामना करना पड़ता है।

यह नई एसी बस सेवा उन्हें एक आरामदायक, सुरक्षित और किफायती यात्रा का विकल्प देगी, जिससे वे बिना तनाव के अपने घर लौट सकेंगे और त्योहारों की खुशियाँ दोगुनी हो सकेंगी। सरकार की सराहनीय पहल यह योजना बिहार सरकार की उन कोशिशों को दशार्ती है, जिनका उद्देश्य अपने नागरिकों की सुविधा और सम्मान सुनिश्चित करना है। यह कदम न सिर्फ राहत देगा, बल्कि सरकार की संवेदनशीलता और दूरदर्शिता को भी उजागर करता है।

पांचाल समाज को पंचकूला में प्लॉट देगी सरकार, सीएम सैनी की बड़ी घोषणा

कुरुक्षेत्र : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को कुरुक्षेत्र में आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में पांचाल समाज और ओबीसी वर्ग के लिए कई अहम घोषणाएँ कीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत 13,000

करोड़ रुपए का प्रावधान किया है, ताकि समाज के लोग औजार और उपकरण खरीदकर आत्मनिर्भर बन सकें। सीएम ने भरोसा दिलाया कि पांचाल समाज की राजनीति में उचित हिस्सेदारी सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही उन्होंने घोषणा की कि पंचकूला के हुडा सेक्टर में पांचाल समाज को प्लॉट आवंटित किया जाएगा। इसके अलावा कुरुक्षेत्र भवन के निर्माण के लिए 31 लाख रुपए देने और पट्टेदार काश्तकार किसानों को मालिकाना हक दिलाने की योजना के तहत रजिस्ट्री की सुविधा उपलब्ध कराने की भी घोषणा की। स्वामी भीष्म ने त्योड़ा और पांडू पिंडारा में की थी तपस्याः सीएम सैनी कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने स्वामी भीष्म महाराज के योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि स्वामी भीष्म ने कुरुक्षेत्र के त्योड़ा और पांडू पिंडारा गांवों में तपस्या की थी। अपने ज्ञान और शिक्षा से वे एक विद्वान के रूप में स्थापित हुए और स्वामी दयानंद सरस्वती के सत्यार्थ प्रकाश का गहन अध्ययन किया।

अंबाला में बढ़ रहा डेंगू का प्रकोप, अब तक सामने आए इतने मामले

अंबाला : बरसात के मौसम के बीच डेंगू का प्रकोप भी बढ़ने लगा है। इसी बीच अंबाला में अब तक डेंगू के कुल 5 मरीज सामने आए हैं। मामलों को गंभीरता से लेते हुए स्वास्थ्य विभाग ने अस्पतालों में व्यापक प्रबंध कर दिए हैं, ताकि किसी

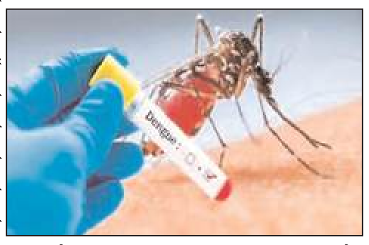

भी तरह की स्थिति से निपटा जा सके। हम लगातार मॉनिटरिंग कर रहेः सिविल सर्जन दूसरी ओर डेंगू से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग ने नगर निगम, सीईओ जिला परिषद और अन्य विभागों को पत्र लिखकर खाली पड़े प्लॉटों और गली-मोहल्लों में जमा पानी की तुरंत निकासी के निर्देश दिए हैं। इसको लेकर जानकारी देते हुए सिविल सर्जन डॉ राकेश सहल ने बताया कि हम लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। अस्पतालों में डेंगू वार्ड और दवाइयों का पूरा इंतजाम है। लोगों से की अपीलसाथ ही सिविल सर्जन ने लोगों से अपील है कि अपने आसपास पानी जमा न होने दें। उन्होंने बताया कि नगर निगम, सीईओ जिला परिषद और अन्य विभागों को भी पत्र लिखकर जलभराव न होने देने के लिए कहा गया है।

यमुनानगर में सोम नदी उफान पर, दर्जनों गांवों की टूटी कनेक्टिविटी...सैकड़ों एकड़ फसलें जलमग्न

यमुनानगर : पहाड़ों में बरसात के बाद मैदानी इलाकों में अब बारिश का असर दिख रहा है। कल सोम नदी अपने सबाब पर थी। सोम नदी के विकराल रूप ने सैकड़ों एकड़ फसल को जलमग्न कर दिया, लेकिन उसका असर 24 घंटे बाद भी धरातल पर दिखाई दे रहा है। खेत अभी भी पानी से लबालब

भरे हुए हैं। खेत से पानी ओवरफ्लो होने के बाद पिछले 24 घंटे से छछरौली से लेदी गांव जाने वाली सड़क से क्रॉस हो रहा है। कुछ वाहन चालक तो जान जोखिम में डालकर सड़क क्रॉस कर रहे हैं, लेकिन कुछ वाहन वापस घर लौट रहे हैं जिससे दर्जनों गांव की कनेक्टिविटी टूट गई है। बहुत से लोग जो रोजगार के लिए यमुनानगर शहर की तरफ कूच कर रहे थे, वह भी घर लौट रहे हैं। वहीं राहगीरों का कहना है कि सदियों से इस सड़क के यही हालात हैं, प्रशासन हर बार दावे करता है लेकिन इस इलाके के हालात नहीं बदले हैं। पानी का बहाव इतना तेज है कि 24 घंटे से चल रहे इस पानी से सड़कों में कई जगह गड्ढे बन गए हैं। वाहन चालक उन टूटे हुए गड्ढों के बीच से वाहन निकाल कर आगे बढ़ रहे हैं। लोगों ने कहा कि अगर प्रशासन थोड़ा सा संवेदनशील हो जाए तो यहां पर पुलिया बन जाती और सैकड़ों एकड़ फसल जलमग्न न होती गांव में पानी ना भरता।

डबल वोटों को लेकर भूपेंद्र हुड्डा ने EC से मांगा एफिडेविट, कहा– पहले साबित करें कि वोट डबल नहीं, फिर करूंगा खुलासा

रोहतक : चुनाव आयोग ने प्रेस कांफ्रेंस के दौरान राहुल गांधी से एफिडेविट मांग लिया और कहा है कि या तो 7 दिन में हलफनामा दे या फिर देश से माफी मांगे, उसी का जवाब देते हुए भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने चुनाव आयोग से ही एफिडेविट की मांग कर डाली। उन्होंने कहा कि पहले चुनाव आयोग को एफिडेविट देना चाहिए कि देश में डबल वोट कहीं नहीं बनी हुई है। वह भी बड़ा खुलासा कर डबल वोट के सबूत देश के सामने रख देंगे और ऐसा हरियाणा में बहुत सी जगह पर है।

मनोहर लाल को दी नसीहत

यही नहीं भूपेंद्र सिंह ने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल को भी नसीहत दे डाली कि बड़े पद पर बैठे व्यक्ति को सोच समझकर बोलना चाहिए, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कांग्रेस पार्टी पर ही

वोट चोरी के आरोप लगाए थे और कहा था कि कांग्रेस घुसपैठियों के वोट हड़पना चाहती है।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा आज अपने रोहतक स्थित आवास पर पहुंचे थे जहां उन्होंने कार्यकताओं से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि एक-एक घर पर जीरो हाउस नंबर से 400-400 वोट बनी हुई है। लेकिन पहले चुनाव आयोग को यह एफिडेविट देना होगा कि कोई भी वोट डुप्लीकेट नहीं है।

तो उसके बाद वह सबूत के साथ दिखा देंगे कि किस तरह से धांधली हुई है।हुड्डा ने की भिवानी हत्या मामले में सीबीआई जांच की मांग

वहीं, भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने भिवानी की लड़की मनीषा की हत्या के मामले में सीबीआई जांच करने की मांग करते हुए कहा कि दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर उन्हें कड़ी सजा दी जानी चाहिए और जिस तरह का यह जघन्य अपराध हुआ है चर्चा भी नहीं की जा सकती। उन्होंने प्रदेश सरकार पर कानून व्यवस्था के मामले में फेल होने के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि प्रदेश में कहीं भी कानून व्यवस्था ठीक नहीं है और हर रोज अपराधी घटनाएं बढ़ती जा रही है।

अभी जेल में ही रहेगी ज्योति मल्होत्रा, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में हुई पेश

हिसार : जासूसी के आरोप में पकड़ी गई हिसार की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा की आज हिसार कोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेशी हुई। ज्योति के वकील कुमार मुकेश ने बताया कि 25 अगस्त को ज्योति की कोर्ट में फिजिकल पेशी होगी। जिसमें उन्हें चार्जशीट की कॉपी सौंपी जाएगी।

बता दें कि हिसार पुलिस ने 14 अगस्त को कोर्ट में ज्योति के केस की चार्जशीट सौंपी थी। जिसमें पुलिस ने जांच के आधार पर जासूसी के सबूत होने के दावे किए थे। जांच से जुड़े पुलिस सूत्रों से कई अहम खबरें सामने आई हैं। हालांकि चार्जशीट की कॉपी अभी किसी को नहीं मिली है। इस वजह से औपचारिक तौर पर पुलिस के दावों की पुष्टि नहीं हो सकी है। इस बीच ज्योति के वकील कुमार मुकेश ने कहा कि चार्जशीट गुरुवार दोपहर दाखिल की गई थी। ज्योति सोमवार को 25 अगस्त को अदालत में पेश होगी। जहां ज्योति को उसे रिपोर्ट की एक कॉपी सौंपी जा सकती है।

पानीपत में युवक ने की आत्महत्या, वजह जान रह जाएंगे दंग

पानीपत : पानीपत के एकता विहार कॉलोनी निवासी युवक ने फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। युवक के परिजनों ने युवती और उसकी मां पर परेशान, ब्लैकमेल करने और पैसे हड़पने का आरोप लगाते हुए पुलिस को शिकायत दी है। मृतक युवक की मां राधा ने बताया कि उसके बेटे का पिछले 4 साल से एक युवती के साथ प्रेम प्रंसग था। युवती उससे ब्लैकमेल करती थी और कहती थी वह उसके साथ रहे और

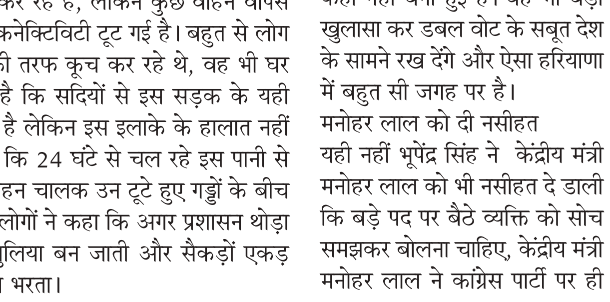

अपने मां और पिता को छोड़ दे लेकिन बेटे सुरजीत ने उसकी बात नहीं मानी। लड़की और उसकी मां उससे पैसों की डिमांड करते थे। उसके बेटे ने शादी करने के लिए लड़की और उसकी मां से घर पर भी बात करवाई। लड़की वालों को शादी करने को कहा लेकिन उन्होंने हिंदू परिवार में शादी करने से मना कर दिया। उसके बेटे को लड़की व उसकी मां फोन पर परेशान करती थी। इन्हीं बातों से परेशान होकर शनिवार शाम को उसने घर पर फंदा लगा लिया। थाना चांदनी बाग पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम करने के लिए नागरिक अस्पताल भेजा। पुलिस परिजनों के बयानों के आधार पर कार्रवाई कर रही है।

अनुराग ढांडा ने कानून व्यवस्था पर बीजेपी सरकार को घेरा, भिवानी की मनीषा की हत्या पर उठाए सवाल

चंडीगढ़ः हरियाणा में कानून व्यवस्था की स्थिति अब पूरी तरह चरमरा चुकी है। इसी को लेकर आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा रविवार को बयान जारी कर हरियाणा की बीजेपी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आज पूरे प्रदेश में आम आदमी असुरक्षित महसूस कर रहा है, अपराधी बेलगाम हैं और सरकार पूरी तरह नदारद नजर आती है। एक के बाद एक हत्या, फिरौती, फायरिंग, अपहरण और गैंगवार की घटनाएं सामने आ रही हैं। भिवानी की मासूम मनीषा की हत्या ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है, लेकिन सत्ता में बैठे लोगों की संवेदनाएं अब शायद मर चुकी हैं। यही कारण है कि ना कोई सख्त कार्रवाई होती है, ना ही कोई जिम्मेदारी तय होती है। अनुराग ढांडा ने कहा कि हरियाणा पुलिस के ताजा आंकड़े बताते हैं कि 2025 की पहली छमाही में ही 4,100 से ज्यादा लोग लापता हो चुके हैं यानी हर दिन औसतन 45 लोग गायब हो रहे हैं।

6 लाख की अफीम के साथ 2 आरोपी अरेस्ट, सिरसा में करनी थी सप्लाई

सिरसा : सीआईए पुलिस ने गुप्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अफीम तस्करी में संलिप्त दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस टीम ने आरोपियों के कब्जे से करीब 6 लाख रूपए की 2 किलो 696 ग्राम अफीम तथा

एक कार बरामद की है। सीआईए सिरसा के अरकसुमित कुमार पुलिस टीम के साथ NH-9 डिंग मोड़ पर मौजूद थे। पुलिस को सूचना मिली कि सुमित कुमार व राजेश कुमार निवासी सिवानी भारी मात्रा में अफीम लेकर स्विफ्ट डिजायर कार में सिरसा की ओर आ रहे हैं। पुलिस ने नाकाबंदी की और गाड़ी रोककर दोनों आरोपियों को काबू किया। डीएसपी अर्शदीप सिंह बताया कि पुलिस टीम ने तलाशी के दौरान गाड़ी के डैशबोर्ड से एक पॉलीथीन बैग में रखी 2 किलो 696 ग्राम अफीम बरामद की। बरामद अफीम व कार को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है।दोनों आरोपियों सुमित कुमार और राजेश कुमार के खिलाफ थाना डिंग मे मुकदमा दर्ज किया है। आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया जहां से 3 दिन के रिमांड पर लिया गया है।

जींद में सो रहे परिवार पर फायरिंग, 2 बहनों को लगी गोलियां, गंभीर हालत में रोहतक PGI में भर्ती

जींद : हरियाणा के जींद जिले के सफीदों शहर में रविवार देर रात करीब एक बजे दिल दहला देने वाली घटना हुई। अज्ञात हमलावरों ने एक घर के मुख्य द्वार के प्लास्टिक फ्रेम को तोड़कर अंदर सो रहे परिवार पर गोलीबारी की। इस हमले में 13 वर्षीय तरन्नुम को छाती में और 10 वर्षीय जसमीन को हाथ में गोली लगी। दोनों बहनों की हालत गंभीर है और उन्हें रोहतक पीजीआई में भर्ती कराया गया है। सफीदों शहर थाने में दर्ज शिकायत के अनुसार आदर्श कॉलोनी वार्ड-14 के निवासी नूरहसन ने बताया कि वह अपने बेटे नौशाद के साथ रहते हैं। नौशाद की तीन बेटियाँ तरन्नुम, जीमा, जसमीन और एक बेटा सुबान है। घटना की रात परिवार रात का भोजन करने के बाद घर के अंदर सो रहा था। बेटियां कमरे में जमीन पर कंबल

बिछाकर, दरवाजा खुला रखकर सो रही थीं। रात करीब एक बजे नूरहसन को गोलियों की आवाज सुनाई दी। उन्होंने देखा तो तरन्नुम और जसमीन खून से लथपथ जमीन पर पड़ी थीं। घर का मुख्य द्वार बंद था, लेकिन हमलावरों ने लोहे के फ्रेम में लगे प्लास्टिक को तोड़कर पिस्तौल से गोलियाँ चलाईं। आरोपी पहले दे रहे थे मारने की धमकी नूरहसन ने आरोप लगाया कि यह हमला उनके बेटे नौशाद के साथ हुए पुराने विवाद से जुड़ा है। कुछ दिन पहले नौशाद का सोनू आबजा, मिता, राहुल, अजय (सभी सिंघाना निवासी), बीरू और सतीश उर्फ मोनू (आदर्श कॉलोनी निवासी) के साथ झगड़ा हुआ था। इस झगड़े में आरोपियों ने नौशाद के हाथ-पैर तोड़ दिए थे, जिसके बाद पुलिस में शिकायत दर्ज की गई थी। इसके बावजूद आरोपी लगातार नौशाद को जान से मारने और तीन लाख रुपये की मांग कर धमकी दे रहे थे। नूरहसन का दावा है कि उनकी पोतियों पर हमला सोनू के इशारे पर किया गया है।

शुभमन गिल हो सकते हैं बाहर, यशस्वी जायसवाल एशिया कप टीम में होंगे : रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ हालिया टेस्ट सीरीज में शानदार बल्लेबाजी प्रदर्शन के बावजूद भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल आगामी एशिया कप 2025 टीम में जगह बनाने से चूक सकते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं का मानना है कि गिल फिलहाल उनकी टी20 योजनाओं में फिट नहीं बैठते, जिससे टूर्नामेंट में उनका खेलना मुश्किल हो जाता है। संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित होने वाला एशिया कप 9 सितंबर से शुरू होगा और टी20 प्रारूप में खेला जाएगा। भारत 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा। अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति मंगलवार, 19 अगस्त को मुंबई में टीम की घोषणा करेगी।

जानकारी के मुताबिक गिल की जगह यशस्वी जायसवाल को तीसरे सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभाने के लिए चुना जा सकता है। जायसवाल भारत की 2024 टी20 विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा थे, लेकिन किसी भी मैच में नहीं खेले। हालांकि गिल के पक्ष में जायसवाल को हटाने के बारे में अनौपचारिक चर्चा हुई थी, लेकिन ऐसा लगता है कि इस सुझाव को खारिज कर दिया गया है। गिल ने आखिरी बार पिछले साल जुलाई में श्रीलंका सीरीज के दौरान भारत का प्रतिनिधित्व टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में किया था।

गिल ने गुजरात टाइटन्स के साथ ढ्क्क 2025 का सफल सीजन खेला जिससे सलामी बल्लेबाज के रूप में उनकी दावेदारी मजबूत हुई। फिर भी प्रबंधन संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा की स्थापित सलामी जोड़ी को बनाए रखने के लिए उत्सुक है, जिन्होंने शीर्ष क्रम में अच्छा प्रदर्शन किया है। रिपोर्ट के अनुसार गिल को शामिल करने के लिए तिलक वर्मा को हटाने पर भी चर्चा हुई थी, लेकिन आईसीसी टी20आई बल्लेबाजी रैंकिंग में वर्मा की दूसरे नंबर के बाएं हाथ के बल्लेबाज के रूप में प्रभावशाली स्थिति को देखते हुए इसे अनुचित माना गया।

बीसीसीआई के एक सूत्र के हवाले से कहा गया, 'अगर गिल को शामिल किया जाता है, तो वह सीधे ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी करेंगे। अगर उन्हें कोई मैच नहीं मिलता है तो उन्हें टीम में रखने का कोई मतलब नहीं है। साथ ही यह संजू के साथ अन्याय होगा जिन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है। अगर गिल टीम में आते हैं, तो संजू को टीम में जगह नहीं

मिल सकती है और जितेश शर्मा को एक मैच मिल सकता है।'

चीन में आयोजित हुआ रोबोट ओलंपिक्स, जहां रोबोट बने मुक्केबाज, पहलवान और धावक

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन पूरी दुनिया में अपनी टेक्नोलॉजी और अनोखे कामों के लिए जाना जाता है। इस कड़ी में चीन में द वर्ल्ड ह्यूमनॉइड रोबोट गेम्स का आयोजन हुआ। जिसमें 16 देशों की 280 टीमों ने हिस्सा लिया। इस इवेंट में करीब 500 रोबोट्स ने टेबल टेनिस, फुटबॉल, बॉक्सिंग और एथलैटिक्स के कई गेम्स खेले जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग भी जुटे। वहीं ये आयोजन करीब 4दिन चला और रविवार को इसका समापन हुआ।

दरअसल, दुनिया भर में रोबोट्स और आर्टिफिशिएल इंटेलिजेंस को लेकर उत्सुकता है। तेजी से रोबोटिक्स, ऑटोमेशन और एआई का विकास हो रहा है। वहीं चीन ने इस मामले में भी छलांग लगाते हुए दुनिया को अचरज में डाल दिया है। चीन में हुए इस रोबोट ओलंपिक्स ने पूरी दुनिया को रोमांचित किया है। इस आयोजन को ह्यूमनॉयड रोबोट गेम्स नाम दिया गया है, जिसे रोबोट ओलंपिक्स भी कहा जा रहा है।

अक्सर फुटबॉल मैदान पर दिग्गज फुटबॉलर रोनाल्डो, मेसी, बेकहम जैसे खिलाड़ियों को गोल करते हुए देखा गया है। लेकिन इस बार चीन में रोबोट्स ने भी फुटबॉल मैच खेला। इस दौरान इनके दांव देखने वालों की भीड़ जमकर तालियां बजाती दिखीं।

वैभव सूर्यवंशी को एशिया कप के लिए भारतीय टीम में शामिल करें, पूर्व मुख्य चयनकर्ता ने किया समर्थन

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज और मुख्य चयनकर्ता क्रिस श्रीकांत ने आगामी एशिया कप 2025 के लिए 14 वर्षीय सनसनी वैभव सूर्यवंशी को भारतीय टीम में शामिल करने का सुझाव दिया है। श्रीकांत का मानना है कि जब असाधारण प्रतिभा और फॉर्म मौजूद हो, तो उम्र कोई बाधा नहीं बननी चाहिए।

अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति 19 अगस्त को मुंबई में बैठक करेगी जिसमें 9 से 28 सितंबर तक यूएई में होने वाले टी20 एशिया कप के लिए भारतीय टीम को अंतिम रूप दिया जाएगा। भारत का पहला मैच 10 सितंबर को है, इसलिए चयनकर्ता कुछ कठिन फैसले लेने की तैयारी में हैं जिनमें श्रेयस अय्यर, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा और रियान पराग जैसे नाम शामिल हैं। इस बीच श्रीकांत द्वारा सूर्यवंशी को सीनियर टीम में जल्द ही शामिल करने के फैसले ने चयन प्रक्रिया को एक नया आयाम दिया है।

सूर्यवंशी ने 2025 में राजस्थान रॉयल्स के लिए आईपीएल में पदार्पण किया। सूर्यवंशी ने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ 35 गेंदों में शतक जड़कर IPL इतिहास में किसी भी भारतीय द्वारा बनाया गया सबसे तेज शतक बनाया। उन्होंने अपनी इसी फॉर्म को भारत के अंडर-19 इंग्लैंड दौरे तक जारी रखा, जहां उन्होंने 5 मैचों में 355 रन बनाए जिसमें चौथे वनडे में 143 रन की पारी भी शामिल है।

श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'आपको निडर होकर खेलना होगा। उसे इंतजार मत करवाइए। उसे परिपक्व होने दीजिए जैसी बातें मत कहिए। वह पहले से ही उल्लेखनीय परिपक्वता के साथ खेल रहा है। उसकी शॉट-मेकिंग एक अलग ही स्तर की है। अगर मैं अध्यक्ष होता, तो मैं उसे अंतिम 15 में शामिल करता।'

साउथ अफ्रीका बनाम ऑस्ट्रेलिया: टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन का तोहफा, क्वेना मफाका-डेवाल्ड ब्रेविस वनडे टीम में शामिल

केर्न्स (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में चमक बिखेरने वाले क्वेना मफाका और डेवाल्ड ब्रेविस को साउथ अफ्रीका की वनडे टीम में शामिल किया गया है। वनडे सीरीज की शुरुआत से पहले साउथ अफ्रीकी कप्तान टेंबा बावुमा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा,÷जब आप युवा खिलाड़ियों को देखते हैं, तो यह हमेशा रोमांचक होता है। जाहिर है कि ब्रेविस पर ही सभी की निगाहें हैं। वह अपना दमखम दिखा रहे हैं। अपनी क्षमता दिखा रहे हैं। मैं यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि वह वनडे में कितना कमाल दिखा सकते हैं।÷

19 वर्षीय तेज गेंदबाज क्वेना मफाका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में नौ विकेट अपने नाम किए थे। पहले मैच में उन्होंने 20 रन देकर चार विकेट हासिल किए। अगले मुकाबले में 57 रन देकर तीन शिकार किए। तीसरे मैच में मफाका ने 36

रन देकर दो विकेट चटकाए। वहीं, डेवाल्ड ब्रेविस ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। उन्होंने तीन पारियों में 90 की औसत के साथ 180 रन बनाए।

ब्रेविस सीरीज के पहले मैच में सिर्फ दो ही रन बना सके थे, जिसके बाद उन्होंने अगले मुकाबले में नाबाद 125 रन की पारी खेली। तीसरे और निर्णायक मैच में ब्रेविस के बल्ले से 53 रन निकले। अब दाएं हाथ के इस बल्लेबाज को वनडे फॉर्मेट में डेब्यू का मौका मिला है। ऑस्ट्रेलिया-साउथ अफ्रीका के बीच 19 अगस्त से वनडे सीरीज की शुरुआत होने जा रही है। पहला मैच केर्न्स में खेला जाना है, जिसके बाद 22 अगस्त को मैके में दूसरा वनडे मैच खेला जाएगा। सीरीज का तीसरा और अंतिम मुकाबला भी मैके में 24 अगस्त को आयोजित होगा।

वनडे सीरीज के लिए साउथ टीम÷ टेंबा बावुमा (कप्तान), कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीत्जके, डेवाल्ड ब्रेविस, नंद्रे बर्गर, टोनी डी जोरजी, एडेन मार्करम, क्वेना मफाका, सेनुरन मुथुसामी, केशव महाराज, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, लुआन-ड्रे प्रीटोरियस, कगिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन, ट्रिस्टन स्टब्स और प्रेनेलन सुब्रायन।

नीरज चोपड़ा ने ज्यूरिख में डायमंड लीग 2025 फाइनल के लिए किया क्वालीफाई

नई दिल्ली। मौजूदा विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा ने सिलेसिया चरण के बाद जारी नवीनतम स्टैंडिंग के अनुसार स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में होने वाली डायमंड लीग 2025 फाइनल में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा के लिए क्वालीफाई कर लिया है। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने सिलेसिया डायमंड लीग में भाग नहीं लिया था, लेकिन इस वर्ष दो डायमंड लीग मैचों में 15 अंक हासिल करने के साथ वह 27 और 28 अगस्त को स्विट्जरलैंड में होने वाले ग्रैंड फाइनल के लिए पहले ही स्थान बना चुके हैं। 2025 डायमंड लीग चैंपियन का फैसला करने के लिए पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा 28 अगस्त को आयोजित की जाएगी। इस सीजन में अपने दो डायमंड लीग मुकाबलों में 27 वर्षीय भारतीय एथलीट ने पेरिस चरण में 88.16 मीटर के थ्रो के साथ जीत हासिल की, जबकि दोहा में उन्होंने 90.23 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़कर स्वर्ण पदक जीता था। चोपड़ा और वेबर दोनों 15 अंकों के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं, जबकि त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वाल्कॉट तीन स्पर्धाओं में 17 अंकों के साथ शीर्ष पर हैं। 2012 लंदन ओलंपिक चैंपियन वाल्कॉट सिलेसिया में 82.54 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर रहे थे। दो बार के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स और ब्राजील के लुईज मौरिसियो दा सिल्वा के भी ज्यूरिख में होने वाले ग्रैंड फाइनल में जगह बनाने की उम्मीद है। नीरज चोपड़ा ने अभी तक ज्यूरिख डायमंड लीग फाइनल में अपनी भागीदारी की पुष्टि नहीं की है।

बुमराह 24 कैरेट सोना है, उनके जैसा कोई गेंदबाज नही: पूर्व भारतीय क्रिकेटर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने जसप्रीत बुमराह का समर्थन किया है। बुमराह की हाल के दिनो में लगातार आलोचना हो रही है। बुमराह आखिरी बार इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचो की टेस्ट सीरीज में खेले थे। जहा उन्होंने तीन मैच खेले। लेकिन अपने कार्यभार को नियंत्रित करने के लिए अंतिम मैच नही खेल पाए। उस समय भारत 1-2 से पिछड़ रहा था। ऐसे में उनकी अनुपस्थिति ने प्रशंसको और विशेषज्ञो के बीच व्यापक बहस छेड़ दी थी।

आकाश चोपड़ा ने आलोचको को इस तेज गेंदबाज पर अनावश्यक दबाव डालने के प्रति आगाह किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि बुमराह एक दुर्लभ प्रतिभा है और उनके करियर को आगे बढ़ाने के लिए उन्हें सावधानी से संभाला जाना चाहिए।उन्होंने कहा, 'बुमराह जैसा कोई गेंदबाज नही है। उन्हें जबरदस्ती जल्दी रिटायरमेंट के लिए मजबूर न करें क्योंकि वह 24 कैरेट शुद्ध सोना है। वह कोहिनूर हीरा है। वह जितना ज़्यादा खेलेंगे, उतना ही बेहतर होगा। मुझे नहीं लगता

कि वह ज़्यादा टेस्ट क्रिकेट खेलेंगे। लेकिन मैं कहूगा कि जब तक वह खेलने चाहे, तब तक खेलते रहे।'चोपड़ा ने आगे कहा, 'ईमानदारी से कहू तो मुझे नहीं लगता कि वह सभी टेस्ट मैच खेलेंगे। वह अपनी पसंद के हिसाब से खेलेंगे। सही है या गलत, यह कोई नैतिक बहस का विषय नही है। अगर आपके पास उस स्तर का कोई खिलाड़ी उपलब्ध है, तो उसे जब भी मौका मिले, खिलाए।'

फिट और बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को ही प्राथमिकता दें : मांजरेकर

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अगर लगातार दो से अधिक मैच नहीं खेल सकते तो उन्हें मुख्य गेंदबाजी आक्रमण में जगह न देते हुए आराम दिना चाहिये। मांजरेकर के अनसार फिट और बेहतर प्रदर्शन करने के इच्छुक खिलाड़ियों को ही पहले प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा कि मेरे लिए, मैच फिट, उत्साही, और प्रदर्शन करने के इच्छुक खिलाड़ी पहले आते हैं और इन्हें बड़े खिलाड़ियों से पहले टीम में जगह देनी चाहिये। मांजरेकर ने ये बातें बुमराह के कार्यभार प्रबंधन के कारण टीम के लिए लगातार उपलब्धि न रहने को देखते हुए कही है। बुमराह हाल में समाप्त हुई एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में केवल तीन मैच ही खेले। ये भी संयोग रहा कि जिन मैचों में भी वह शामिल नहीं थे। उसमें टीम को जीत

मिली। मांजरेकर ने इसी को लेकर कहा, 'खेल हमेशा हमें आईना दिखाएगा, चाहे हम चीजों को कितना भी बेहतर बताने का प्रयास करें। भारत ने जिन दो टेस्ट मैचों में जीत हासिल की, वे दो मैच थे जिनमें बुमराह नहीं खेले इस सीरीज ने उन्हें और हमें भी एक बड़ा सबक सिखाया है, भारत ने जिन दो टेस्ट जीत हासिल कीं उसमें युवा खिलाड़ी ही शामिल थे। संजय ने आगे कहा, 'इस बार टीम में विराट कोहली, रोहित शर्मा और मोहम्मद शमी जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी नहीं थे। इसने हमें खेल ने बताया कि इसी तरह भारत को बुमराह को संभालना चाहिए। अगर वह लगातार दो से अधिक मैच नहीं खेल सकते या कभी-कभी एक से भी अधिक नहीं खेल सकते, तो उन्हें मुख्य टीम में नहीं होना चाहिए।'

ईशान किशन दलीप ट्रॉफी के पहले मैच से बाहर, आकाश दीप को आराम की सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन दलीप ट्रॉफी के पूर्वी क्षेत्र के पहले मैच से बाहर रहेंगे क्योंकि वह वर्तमान में यूके में नॉटिंघमशायर के साथ काउंटी क्रिकेट के दौरान लगी चोट से उबर रहे हैं। 28 नवंबर से शुरू होने वाले इस मुकाबले के लिए किशन की जगह पूर्वी क्षेत्र की टीम में ओडिशा के आशीर्वाद स्वैन को शामिल किया गया है। किशन को चोट के कारण कई टांके लगाने पड़े, यही वजह है कि उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ ओवल में होने वाले पांचवें और अंतिम टेस्ट से पहले ऋषभ पंत की जगह नहीं चुना गया था, क्योंकि सुपरस्टार बल्लेबाज पैर की चोट के कारण बाहर हो गए थे। आखिरकार, ध्रुव जुरेल के बैकअप के रूप में तमिलनाडु के नारायण जगदीशन को उनकी जगह लिया गया।

किशन की चोट गंभीर नहीं है क्योंकि पूर्वी क्षेत्र के लिए अभियान के पहले मैच में न खेल पाना एहतियाती कदम है क्योंकि वह अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर दो चार दिवसीय मैच खेलने वाली भारत ए टीम में शामिल होने के लिए दौड़ में हो सकते हैं। किशन बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (COE) में अपनी रिकवरी और मूल्यांकन जारी रखेंगे। कुमार कुशाग्र उनकी जगह पहली पसंद के विकेटकीपर के रूप में खेल सकते हैं।

इसके अलावा पूर्वी क्षेत्र को तेज गेंदबाज आकाश दीप की सेवाएं भी नहीं मिलेंगी क्योंकि उन्हें आराम करने की सलाह दी गई है। उनकी चोट या अन्य परेशानी को लेकर कोई जानकारी नहीं है। हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर जहां वह पीठ दर्द के कारण चौथे टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे, उन्होंने तीन टेस्ट मैचों में 13 विकेट लिए थे, जिसमें बर्मिंघम में 10 विकेट भी शामिल है और उन्होंने ओवल में अंतिम टेस्ट मैच में एक शानदार अर्धशतक भी बनाया था। असम के मुख्तार हुसैन ने अभिमन्यु ईश्वरन की अगुवाई वाली टीम में उनकी जगह ली है।

ईस्ट जोन अपने अभियान की शुरुआत शुभमन गिल की अगुवाई वाले नॉर्थ जोन के खिलाफ स्टेडियम में करेगा। रियान पराग, ईश्वरन को उप-कप्तान के रूप में अपनी सेवाएं देंगे। टीम में मोहम्मद शमी भी शामिल हैं, जिन्होंने पिछले दो सालों में सिर्फ एक प्रथम श्रेणी मैच खेला है और मुकेश कुमार भी।

दलीप ट्रॉफी के पहले मैच के लिए ईस्ट जोन की टीम

अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), आशीर्वाद स्वैन (विकेट कीपर), संदीप पटनायक, विराट सिंह, दानिश दास, श्रीदम पॉल, शरणदीप सिंह, कुमार कुशाग्र (विकेट कीपर), रियान पराग (उप-कप्तान), उत्कर्ष सिंह, मनीषी, सूरज सिंधु जायसवाल, मुकेश कुमार, मुख्तार हुसैन और मोहम्मद शमी।

सिनसिनाटी ओपन : मेक्टिक-राजीव ने जीता मेंस डबल्स खिताब, डाब्रोव्स्की-राउटलिफ ने विमेंस डबल्स में मारी बाजी

सिनसिनाटी। सिनसिनाटी ओपन के मेंस डबल्स में निकोला मेक्टिक-राजीव राम ने लोरेंजो मुसेट्टी-लोरेंजो सोनेगो को शिकस्त देकर बतौर जोड़ी अपना पहला मास्टर्स 1000 खिताब जीत लिया है। साल के अपने तीसरे ही इवेंट में एक साथ अपना पहला टूर-स्तरीय फाइनल खेलते हुए मेकटिक-राम की जोड़ी ने 90 मिनट तक चले मुकाबले में इतालवी जोड़ी को 4-6, 6-3, 10-5 से शिकस्त देकर बतौर टीम अपनी पहली ट्रॉफी जीती। 41 साल 4 महीने की उम्र में राजीव राम सिनसिनाटी में ओपन एरा के दूसरे सबसे उम्रदराज मेंस डबल्स चैंपियन बन गए हैं। इस मामले में उनसे आगे 42 वर्षीय डेनियल नेस्टर हैं, जिन्होंने 2015 में एडवर्ड रोजर-वेसलिन के साथ यह खिताब जीता था। फाइनल में पहुंचकर मेक्टिक उन चुनिंदा सक्रिय डबल्स खिलाड़ियों में शामिल हो गए, जिन्होंने सभी नौ एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट्स फाइनल खेले। उनसे पहले यह उपलब्धि सिर्फ रोहन बोपन्ना और माटे पाविक के नाम थी। वहीं दूसरी ओर, विमेंस डबल्स फाइनल में गैब्रिएला डाब्रोव्स्की-एरिन राउटलिफ ने गुओ हान्यू-एलेक्जेंड्रा पानोवा को 6-4, 6-3 से शिकस्त देकर बतौर जोड़ी अपना पहला डब्ल्यूटीए 1000 खिताब जीत लिया। सिनसिनाटी की यह जीत इस सीजन उनका दूसरा और बतौर जोड़ी कुल छठा खिताब है। इस जीत के बाद डब्ल्यूटीए डबल्स रैंकिंग में राउटलिफ सातवें नंबर पर बनी रहेंगी। वहीं, डाब्रोव्स्की पांच स्थान की छलांग लगाकर नंबर 8 पर पहुंच जाएंगी। डाब्रोव्स्की-राउटलिफ ने दो साल पहले मॉन्ट्रियल में पहली बार जोड़ी बनाई थी, जिसके बाद दोनों ने मिलकर पांच खिताब जीते। इनमें यूएस ओपन और डब्ल्यूटीए फाइनल शामिल हैं। इस दौरान जोड़ी ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग भी हासिल की। यह सिनसिनाटी में राउटलिफ का लगातार दूसरा खिताब है।

सैंटोस की करारी हार से टूटे स्टार फुटबॉलर नेमार, बीच मैदान पर फूट-फूटकर रोने लगे

ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार को अपने पेशेवर क्लब करियर की सबसे बड़ी हार झेलनी पड़ी जिसके बाद वो टूट गए। इस दौरान वह फूट-फूटकर रोते दिखे। सैंटोस को ब्राजीलियन सेरी ए मैच में वास्को दा गामा के हाथों 0-6 से हार झेलनी पड़ी। दूसरे हाफ में 6 में से 5 गोल दागे जाने के बाद सदमे में डूबे नेमार फुल टाइम के बाद रोते दिखे। इस जीत के साथ 16वें स्थान पर काबिज वास्को दा गामा का सैंटोस से दो अंक पीछे 19 अंक रह गया। दोनों क्लब चार टीमों वाले रीलोगेशन जोन से बस थोड़ा आगे थे। लुकास पिटोन के शुरुआती गोल के बाद लिवरपूल और बार्सिलोना के पूर्व फॉरवर्ड कॉटिन्हो ने दूसरे हाफ में वास्को के लिए दो गोल किए। डेविड कोरेया डी फोंसेका, रेयान और डैनिलो नेवेस के गोल ने बेहतरी स्कोरलाइन को और मजबूत किया। नेमार को सहयोगी स्टाफ के एक सदस्य और वास्को दा गामा के मुख्य कोच फर्नांडो डिनिज ने सांत्वना दी जब वह ड्रेसिंग रूम की ओर वापस लौट रहे थे। सैंटोस ने परिणाम पर अपनी नाराजगी व्यक्त की और मैदान की ओर

पीठ करके विरोध जताया। इस अपमानजनक हार के परिणामस्वरूप मुख्य कोच क्लेबर जेवियर को तत्काल बर्खास्त कर दिया गया। इस दौरान नेमार ने कहा कि, मुझे शर्म आ रही है। मैं हमारे प्रदर्शन से पूरी तरह निराश हूं। फैंस को विरोध करने का पूरा अधिकार है जाहिर है बिना हिंसा के... लेकिन अगर वे गाली देना और अपमान करना चाहते हैं तो उन्हें पूरा हक है। नेमार ने आगे कहा कि, ये बेहद शर्मिंदगी का एहसास है। मैंने जिंदगी में ऐसा पहले कभी नहीं देखा। बदकिस्मती से ऐसा हुआ। आंसू गुस्से से थे। बदकिस्मती से मैं किसी भी तरह से मदद नहीं कर सकता। खैर ये पूरी तरह से बकवास था। यही सच्चाई है। जले पर नमक छिड़कते हुए नेमार को इस सत्र का तीसरा येलो कार्ड भी मिला। इससे वह बहियो खिलाफ अगले मैच से बाहर हो गए।

कपिल बैंसला ने एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में जीता गोल्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा के पलवल के कपिल बैंसला ने कजाकिस्तान के श्यामकेंट में चल रही 16वीं एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप राइफल/ पिस्टल/ शॉटगन में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया। उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल पुरुष जूनियर फाइनल में 243.0 का स्कोर बनाया और उज्बेकिस्तान के इल्खोमबेक ओबिदजोनोव को 0.6 अंक से पीछे छोड़कर दूसरे स्थान पर रहे।

कपिल के हमवतन जोनाथन गेविन एंटनी ने 220.7 अंक बनाकर कांस्य पदक जीता, लेकिन 24 शॉट के फाइनल में 22वें शॉट के बाद बाहर हो गए। इससे पहले कपिल ने क्वालीफिकेशन में 579 अंक बनाकर चौथा स्थान हासिल किया था और जोनाथन के साथ शीर्ष आठ में जगह बनाई थी। जोनाथन 582 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहे थे। मुकेश नेलावली जोनाथन से केवल दो इनर 10 अंक कम थे और तीसरे स्थान पर रहे।

इस तरह फाइनल में तीन भारतीय खिलाड़ी पहुंच गए। कोरियाई खिलाड़ी किम ड्योन ने भी 582 अंक हासिल करके शीर्ष स्थान हासिल किया, लेकिन जोनाथन की तुलना में आंतरिक 10-रिंग में कम से कम छह शॉट ज्यादा लगाए। इल्खोमबेक फाइनल में सबसे तेज रहे, कपिल लगातार उनका पीछा करते रहे और फिर 15वें शॉट के बाद पहली बार उनसे आगे निकल गए। उज्बेक खिलाड़ी ने 20वें शॉट के बाद बढ़त हासिल कर ली और अंतिम दो में कपिल से पूरे एक अंक आगे थे।

इसके बाद युवा भारतीय खिलाड़ी ने 10.8 और 10.6 अंक हासिल किए जबकि इल्खोमबेक ने 10.4 अंक हासिल करने के बाद 23वें शॉट में 9.4 अंक हासिल किए और कपिल को खिताब दिला दिया। कपिल और जोनाथन ने विजय तोमर के साथ मिलकर कुल 1723 अंक हासिल करके इस स्पर्धा का टीम रजत पदक जीता। कोरिया ने 1734 अंक के साथ स्वर्ण और मेज़बान कजाकिस्तान ने कांस्य पदक जीता।

सीनियर पुरुष वर्ग के फाइनल में एकमात्र भारतीय अनमोल जैन 155.1 अंकों के साथ छठे स्थान पर रहे। चीन के हू काई ने स्वर्ण पदक जीता जबकि चीन ने इस स्पर्धा में टीम स्पर्धा का स्वर्ण भी जीता। अनमोल ने आदित्य मालरा और सौरभ चौधरी के साथ मिलकर 1735 अंकों के संयुक्त प्रयास से टीम स्पर्धा का रजत पदक जीता। इस प्रकार भारत ने पहले दिन का अंत एक स्वर्ण और दो रजत पदक के साथ किया, जबकि दूसरे दिन मंगलवार को महिला और जूनियर महिला एयर पिस्टल के फ़ाइनल निर्धारित समय पर खेले जाने थे।

डब्ल्यूडब्लयूई चैम्पियन लोगन पॉल की नेटवर्थ करोड़ों में पहुंची

सेन डियागो । मॉडल नीना अगडल से शादी करने वाले डब्ल्यूडब्लयूई के अमेरिकी चैम्पियन लोगन पॉल करोड़ों की संपत्ति के भी मालिक हैं। लोगन ने रेसलर के साथ ही यूट्यूबर के तौर पर भी काम करके मोटी कमाई की है। उनकी नेटवर्थ करोड़ों में पहुंच गयी है। लोगन डब्ल्यूडब्लयूई के अलावा प्राइम हाइड्रेशन, यूट्यूब चैनल और स्पॉन्सरशिप से से भी कमाई करते हैं। उनकी कुल संपत्ति लगभग 150 मिलियन डॉलर है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, यूट्यूब से उनकी अनुमानित मासिक आय 300,000 डॉलर से 600,000 डॉलर के बीच है। वह 2017, 2018 और 2021 में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले यूट्यूबर भी थे। उनका पॉडकास्ट भी बहुत लोकप्रिय है। वह अक्सर पॉडकास्ट पर डब्ल्यूडब्लयूई के आंकड़े पेश करते हैं, जिससे भी इसकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है। इसके अलावा, उनके पास अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर 90 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं, जिससे उन्हें कमाई करने और स्पॉन्सरशिप डील हासिल करने में सहायता मिलती है। एक अनुमान के अनुसार वह वह प्रायोजकों से किये करार से हर महीने 150,000 डॉलर से 300,000 डॉलर कमाते हैं।

'सैयारा' में कम स्क्रीन प्रेजेंस पर शाद रंधावा ने दिया रिएक्शन

मोहित सूरी की फिल्म सैयारा में एक्टर शाद रंधावा ने रॉकस्टार प्रिंस का किरदार निभाया है। वह मोहित सूरी की लगभग हर फिल्म में नजर आते हैं। हाल ही में बातचीत के दौरान शाद ने मोहित सूरी के साथ अपने रिश्ते को लेकर बात की।

फिल्म सैयारा में आपकी स्क्रीन प्रेजेंस भले ही कम है, लेकिन आपका किरदार बेहद दमदार है। इसके लिए आपने क्या तैयारी की?

मैं पहले से ही कुछ अलग करने की कोशिश कर रहा था। उसी दौरान निर्देशक मोहित सूरी ने मेरी मेहनत और लगन को नोटिस किया। शायद उन्होंने मेरी कुछ तस्वीरें यशराज फिल्म्स की कास्टिंग डायरेक्टर शानू शर्मा जी को भेजीं। इसके बाद शानू जी का मेरे पास कॉल आया और उन्होंने मुझे इस रोल के बारे में बताया। इसके बाद हमने वर्कशॉप्स कीं, किरदार को समझा और उसके लिए तैयारी की। जब सबको लगा कि मैं इस किरदार के लिए ठीक हूं, तब जाकर मुझे यह रोल मिला। इस किरदार से जुड़ी एक दिलचस्प बात यह थी कि हम अलग-अलग लुक्स ट्राय कर रहे थे। एक समय ऐसा भी आया जब हमने 'रॉकस्टार' जैसी लंबे बालों वाली स्टाइल पर विचार किया। लेकिन जब हम मेकअप रूम में उस लुक की टेस्टिंग कर रहे थे, तभी मोहित सर आए और बोले कि यह लुक जम नहीं रहा। फिर हमने कॉर्नर हेयरस्टाइल ट्राय की और वो सबको पसंद आ गई। अंत में वही लुक फाइनल हुआ।

क्या आपने मोहित सूरी से कभी कहा कि फिल्म सैयारा में आपकी स्क्रीन प्रेजेंस और ज्यादा होनी चाहिए थी?

देखिए, इस तरह की बातें तो अक्सर हर एक्टर और डायरेक्टर के बीच होती रहती हैं। हर एक्टर को लगता है कि उसका रोल थोड़ा और बड़ा होना चाहिए था। कभी लगता है कि कोई सीन कट कर दिया गया जो फिल्म में रह सकता था। मैं मोहित सूरी का दोस्त हूं, लेकिन ऐसा नहीं है कि मैं इसलिए कुछ नहीं कहता। ये बातें हर एक्टर के मन में होती हैं और डायरेक्टर से शेयर भी की जाती हैं। मगर एक पॉजिटिव तरीके से बिना किसी झगड़े के। असल में, सेट पर भले ही कुछ मतभेद हो जाएं, लेकिन जैसे ही हम सेट से बाहर आते हैं, सारी शिकायतें भूलकर फिर से दोस्त बन जाते हैं।

'एक चतुर नार' बनीं दिव्या खोसला की चालाकी में फंसेंगे नील

दिव्या खोसला और नील नितिन मुकेश की आगामी फिल्म 'एक चतुर नार' का टाइटल और फर्स्ट लुक आज जारी किया गया है। टाइटल और मोशन पोस्टर से फिल्म एक कॉमेडी-ड्रामा मालूम पड़ता है। फिल्म के पहले लुक के सामने आने के बाद अब दर्शक फिल्म को लेकर उत्साहित हैं।

सब्जी काटती नजर आईं दिव्या

मेकर्स ने फिल्म के दो मोशन पोस्टर जारी किए हैं। एक पोस्टर में दिव्या खोसला और नील नितिन मुकेश एक टेबल के पास खड़े हैं। टेबल पर टमाटर और शिमला मिर्च समेत कुछ सब्जियां रखी हुई हैं। दिव्या गाजर को चाकू से काटते हुए कैमरे की तरफ चालाकी भरी नजरों से देख रही हैं। बगल में नील नितिन मुकेश थ्री पीस पहने हाथों में बंदूक लिए खड़े हैं। इस मोशन पोस्टर में पीछे कैलाश खेर की आवाज में कुछ लाइन्स भी फिल्म के टाइटल से जुड़ी सुनाई दे रही हैं।
एक दूसरा पोस्टर जारी किया गया है। इसमें दिव्या खोसला आंखों में काला चश्मा लगाए दिख रही हैं। जबकि उनकी चोटी नागिन के शेप में मुंह फैलाए हुए है और उस पर एक फिलप वाले फोन में नील नितिन मुकेश घबराए हुए नजर आ रहे हैं। इस मोशन पोस्टर में भी पीछे गाने की कुछ लाइन्स सुनाई दे रही हैं।

12 सितंबर को रिलीज होगी फिल्म

इस कॉमेडी ड्रामा फिल्म में नील और दिव्या एक दम अलग अवतार में दिखाई देंगे। टी-सीरीज द्वारा निर्मित इस फिल्म को उमेश शुक्ला ने निर्देशित किया है। 'एक चतुर नार' 12 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

फ्रेंचाइजी फिल्मों में काम करने पर खुद को लकी मानते हैं रितेश

अभिनेता रितेश देशमुख पिछले दो दशक से भी ज्यादा समय से इंडस्ट्री में सक्रिय हैं। इस दौरान उन्होंने अलग-अलग जॉनर की कई फिल्मों में काम किया है। हालांकि, रितेश अपने करियर में कुछ एक फ्रेंचाइजी फिल्मों का भी हिस्सा रहे हैं, जो उनके करियर में हिट फिल्में लेकर आया है। इसमें 'हाउसफुल' और 'मस्ती' जैसी फ्रेंचाइजी फिल्में शामिल हैं। वो एक बार फिर 'मस्ती' के चौथे पार्ट में भी नजर आने वाले हैं। अब इन फ्रेंचाइजी फिल्मों को लेकर बात करते हुए अभिनेता ने इन्हें अपने लिए भाग्यशाली बताया है।
अभिनेता रितेश देशमुख ने अपने करियर में फ्रेंचाइजी फिल्मों में काम करने को लेकर बात की। अभिनेता ने कहा कि मुझे लगता है कि हर अभिनेता को भाग्यशाली महसूस करना चाहिए अगर वे किसी फ्रैंचाइजी का हिस्सा हैं या किसी का दूसरा भाग बना है। आप जानते हैं कि वर्तमान में मैं शायद 4 फिल्में कर रहा हूं। मैं उन फिल्मों का हिस्सा बनकर बेहद खुशकिस्मत महसूस करता हूं जिन्हें लोग शायद इतना पसंद करते हैं कि हम तीसरा और चौथा भाग बना पा रहे हैं। यह सब दर्शकों की बदौलत है।
हालांकि, फिल्मों के लगातार सीक्वल बनने और उनके स्वाभाविक रूप से बंद हो जाने के सवाल पर रितेश का कहना है कि थकान दर्शकों पर या दर्शकों की थकान पर निर्भर करेगी और साथ ही ये किश्तें लंबे गैप पर आ रही हैं। ये पांच साल और यहां तक कि दस साल के गैप पर भी आ रही हैं। इसलिए ऐसा नहीं है कि वे हर महीने वापस आ रही हैं।
वर्कफ्रंट की बात करें तो रितेश देशमुख आखिरी बार फ्रेंचाइजी फिल्म 'हाउसफुल 5' में नजर आए थे। इसके अलावा आने वाले वक्त में भी वो दो फ्रेंचाइजी फिल्मों 'मस्ती 4' और 'धमाल 4' में नजर आएंगे। इसके अलावा वो मराठी फिल्म 'राजा शिवाजी' में भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन भी खुद रितेश देशमुख कर रहे हैं।

ईशा कोप्पिकर अपनी अगली फिल्म रॉकेटशिप में निभा रही हैं एक स्नेही माँ का किरदार

नवोदित कलाकारों को प्रोत्साहित करने में हमेशा आगे रहने वाली ईशा कोप्पिकर ने एक बार फिर युवा प्रतिभाओं के समर्थन में अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। अभिनेत्री, जो नए और उभरते टैलेंट को बढ़ावा देने की पुरजोर समर्थक रही हैं, उन्होंने एक बार फिर सुभाष घई के प्रतिष्ठित संस्थान व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल अकेडमी में फिल्म निर्माण के छात्रों को अपना प्यार और समर्थन देकर यह सिद्ध किया है। यह प्रतिभाशाली अभिनेत्री छात्रों के डिप्लोमा प्रोजेक्ट रॉकेटशिप में अभिनय कर उन्हें अपनी अनुभवपूर्ण उपस्थिति और स्टार पॉवर के जरिए सहयोग प्रदान किया है, जिससे इन नवोदित फिल्मकारों की रचनात्मक दृष्टि को साकार करने में मदद मिली है।
ईशा कहती हैं, जब छात्रों ने मुझसे संपर्क किया, तो मैं इस प्रोजेक्ट में उनका साथ देने के लिए निःसंकोच तैयार हो गई। इन बच्चों में अपार क्षमता है, जो उस वक्त साफ़ नजर आई जब इन्होंने मुझे अपनी कहानी और स्क्रिप्ट सुनाई। मैं इन बच्चों से खुद को जोड़ पाती हूँ क्योंकि इन्होंने भी सब कुछ ज़ीरो से शुरू किया है, ठीक वैसे ही जैसे मैंने किया था। मेरे पास इंडस्ट्री में कोई गॉडफादर नहीं था। इसलिए जब मैं इन्हें अपने सपनों की शुरुआत करते देखती हूँ, तो वो मेरे लिए प्रेरणादायक और संतोषजनक अनुभव होता है। आज रॉकेटशिप का पहला पोस्टर जारी किया गया, जो यह दर्शाता है कि यह फिल्म एक भावनात्मक और दिल को छू लेने वाली कहानी पेश करेगी जैसी दर्शकों ने पहले शायद ही कभी देखी हो। फिल्म में माँ-बेटी के रिश्ते को केंद्र में रखा गया है, और ईशा कोप्पिकर का किरदार विशेष रूप से दर्शकों की भावनाओं को झकझोरने के लिए गढ़ा गया है। यह फिल्म व्हिसलिंग वुड्स के छात्रों की अकादमिक यात्रा का एक समापन प्रोजेक्ट है, और एक प्रतिष्ठित अभिनेत्री जैसे ईशा की भागीदारी इस प्रोडक्शन को ऊँचाई प्रदान करती है, साथ ही छात्रों को इंडस्ट्री का वास्तविक अनुभव भी मिल रहा है। उनका इस शैक्षिक पहल का हिस्सा बनना यह दर्शाता है कि वे मेंटरशिप और व्यावहारिक अनुभव की महत्ता को भलीभांति समझती हैं, जो आने वाली पीढ़ी के फिल्म निर्माताओं और कहानीकारों के विकास के लिए बेहद आवश्यक है। ईशा की यह भागीदारी सिर्फ एक अभिनय तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक खूबसूरत सहयोग का प्रतीक है—जहां उनका अनुभव युवा दिमागों को दिशा देता है और युवाओं की नई सोच व नवाचार उनके खुद के रचनात्मक सफर को भी प्रेरित करती है। स्थापित और उभरती प्रतिभाओं के इस मेल से एक ऐसा सीखने का माहौल बनता है जहाँ पारंपरिक फिल्म निर्माण की समझ और आधुनिक कहानी कहने की तकनीकें एक-दूसरे को समृद्ध करती हैं।

अनिल शर्मा का ऐलान, जल्द आएगी गदर 3

सनी देओल और अमीषा पटेल अभिनीत फिल्म गदर-2 को रिलीज हुए दो साल पूरे हो चुके हैं। अब इसके निर्देशक अनिल शर्मा ने आगे की योजनाओं पर अपनी बात साझा की। अनिल शर्मा ने बातचीत में इसके सीक्वल की सबसे खास बात बताई और साथ ही आगे आने वाले गदर 3 की योजना भी साझा की। अनिल शर्मा ने बताया कि गदर 2 की सबसे अच्छी बात यह रही कि पहले भाग में बच्चे दिखे उत्कर्ष शर्मा बड़े होकर उसी भूमिका में नजर आए। उन्होंने कहा, शायद ऐसा पहली बार है कि एक बच्चे का किरदार निभाने वाला कलाकार बड़ा होकर उसी भूमिका को दोबारा निभा रहा है।
फिल्म बनाते समय सबसे बड़ी चुनौती कहानी को पहले भाग से आगे बढ़ाना था। अनिल शर्मा ने कहा, हमें कहानी को आगे ले जाने के लिए काफी समय सोचना पड़ा। जब कहानी सही ढंग से बनी, तो इंतजार वाकई सफल साबित हुआ।
फिल्म निर्देशक से पूछा गया कि क्या गदर की सफलता ने उनकी उम्मीदें गदर 2 के लिए बढ़ा दी थीं? उन्होंने बताया, गदर दर्शकों के दिलों में बस गई थी।
पिछले बीस सालों से हर कोई मुझसे पूछता रहा कि मैंने गदर 2 क्यों नहीं बनाई। मुझे पता था कि लोगों को इन किरदारों से बहुत प्यार है। मुझे फिल्म की सफलता पर पूरा भरोसा था। असल में, मैंने रिलीज से पहले ही कहा था कि यह फिल्म 500 करोड़ रुपए कमाएगी। शुक्र है कि भगवान ने मेरी बात सुन ली। अनिल शर्मा ने कहा, फिल्म के किरदारों से जुड़ी मोहब्बत ही इसे एक विरासत बनाती है। उन्होंने बताया, गदर 3 पर काम शुरू हो चुका है। कहानी जारी रहेगी क्योंकि दर्शकों के दिलों में यह कहानी और किरदारों की खास जगह बनी हुई है।

रजनीकांत से लेकर श्रुति हासन तक, साउथ के इन कलाकारों ने बॉलीवुड में जमाई धाक

बॉलीवुड इंडस्ट्री में कभी हॉलीवुड तो कभी साउथ के कलाकारों ने काम किया है। साउथ के कई कलाकारों ने साउथ की फिल्मों में बेहतरीन अदाकारी की तो उन्होंने बॉलीवुड में भी खूब नाम कमाया है। आज हम साउथ के उन कलाकारों के बारे में जानेंगे जिन्हें बॉलीवुड के दर्शकों ने खूब प्यार दिया।

रजनीकांत

साउथ के जिस अभिनेता को बॉलीवुड में सबसे ज्यादा प्यार मिला वह रजनीकांत हैं। साउथ में उन्हें भगवान की तरह माना जाता है। हालांकि बॉलीवुड में भी उनका योगदान कुछ कम नहीं है। उन्होंने बॉलीवुड में गिरफ्तार, चालबाज, हम और बुलंदी जैसी फिल्में कीं। इसके लिए उनकी खूब सराहना हुई।

कमल हासन

कमल हासन साउथ के दिग्गज कलाकार हैं। उन्होंने बॉलीवुड में सदमा, सागर और चाची 420 में अभिनय किया है। बॉलीवुड में उनके अभिनय को खूब सराहा गया है। बॉलीवुड में शोहरत के मामले में वह रजनीकांत से कम नहीं हैं। उन्होंने 4 नेशनल अवॉर्ड और 19 फिल्मफेयर अवॉर्ड जीते हैं।

श्रुति हासन

पिता कमल हासन की तरह श्रुति हासन ने साउथ में खूब नाम कमाया है। बॉलीवुड में कई बेहतरीन फिल्मों से उन्होंने अपनी अदाकारी की छाप छोड़ी है। उन्होंने रमैया वस्तावैया में बेहतरीन अदाकारी की। इसके अलावा अक्षय कुमार के साथ गब्बर फिल्म की। बॉलीवुड के दर्शकों को उनकी अगली फिल्म का इंतजार है।

आर माधवन

आर माधवन ने न सिर्फ अलग-अलग भाषाओं की फिल्मों में काम किया बल्कि वह हर किरदार में आसानी से ढल गए। फिल्म रहना है तेरे दिल में से उन्हें बॉलीवुड में पहचान मिली। साला खड़ूस में उनके अभिनय की काफी तारीफ हुई। बॉलीवुड में उन्होंने रंग दे बसंती, 3 इडियट्स और तनु वेड्स मनु में अच्छा काम किया है।

धनुष

साउथ के सुपरस्टार धनुष ने बॉलीवुड में कई फिल्मों में काम किया। उन्होंने फिल्म रांझणा से दर्शकों का दिल जीत लिया। उन्होंने बॉलीवुड को दिग्गज कलाकार अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म शमिताभ में बेहतरीन अदाकारी की। उनका गाना कोलावेरी डी भी काफी लोकप्रिय हुआ।

असिन

बॉलीवुड में आने से पहले ही असिन साउथ में काफी मशहूर हो चुकी थीं। उन्होंने तमिल और तेलुगु में कई कामयाब फिल्में कीं। उन्होंने बॉलीवुड में आमिर खान के साथ फिल्म गजनी में काम किया। इसके बाद उन्होंने सलमान खान, अक्षय कुमार और अजय देवगन के साथ काम किया।

सिद्धार्थ

सिद्धार्थ ने बॉलीवुड में ज्यादा फिल्में नहीं की हैं लेकिन फिल्म रंग दे बसंती में उन्होंने बेहतरीन किरदार निभाया है। बताया जाता है कि उन्हें बॉलीवुड से कई ऑफर मिले लेकिन उन्होंने कई ऑफर स्वीकार नहीं किए। अभिनेत्री अदिति राव हैदरी के साथ शादी को लेकर वह सुर्खियों में रहे।

तमन्ना भाटिया

तमन्ना भाटिया साउथ की मशहूर अभिनेत्री हैं। उन्होंने बाहुबली से खूब नाम कमाया। बॉलीवुड में उनकी एंट्री बहुत खास नहीं रही। उन्होंने चांद सा रौशन चेहरा और हिम्मतवाला में अभिनय किया। बॉलीवुड में उनके आइटम गानों आज की रात और नशा को खूब पसंद किया गया।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।